A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 14 जून, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 275, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

प्रसंगवश

अमेरिका में जारी हिंसा और आप्रवासी समुदायों का सवाल

पंकज श्रीवास्तव

अमेरिका में हालिया हिंसा की घटनाएँ और आप्रवासी समुदाय पर बढ़ता दबाव कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या यह आंतरिक सुरक्षा का संकट है या आप्रवासन नीति में बदलाव की ज़रूरत? जानिए इस ज्वलंत मुद्दे की पूरी पड़ताल। दुनिया के सबसे ताकतवर और सबसे पुराने लोकतंत्र, संयुक्त राज्य अमेरिका, आज एक गहरे संकट के दौर से गुजर रहा है। आप्रवासन का मुद्दा, जो लंबे समय से अमेरिकी समाज और राजनीति में विवाद का केंद्र रहा है, अब हिंसक प्रदर्शनों, आगजनी और सैन्य तैनाती के रूप में सड़कों पर उतर आया है। लॉस एंजेल्स, कैलिफोर्निया से शुरू हुआ यह संकट अब 12 राज्यों के 25 शहरों तक फैल चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'शून्य-सहिष्णुता' नीति और इसके जवाब में कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम द्वारा दायर मुकदमा इस टकराव को और गहरा रहा है। यह केवल नीतियों की लड़ाई नहीं, बल्कि मानवता, समानता और अमेरिकी लोकतंत्र की बुनियाद पर सवाल उठाने वाली जंग है।

लॉस एंजेल्स, अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा और कैलीफ़ोर्निया का सबसे बड़ा शहर सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, जो आज हिंसा की चपेट में है। यहां की आबादी लैटिनो-बहुल है यानी यहाँ मेक्सिको, मध्य और दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन देशों से आए लोग ज़्यादा हैं। कहा जा रहा है कि यहाँ लगभग 9 लाख आप्रवासी अवैध ढंग से रह रहे हैं। 6 जून, 2025 को आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (ICE) ने वेस्टलेक, बेल और कॉम्प्टन जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू की। राष्ट्रपति ट्रंप के दावे के अनुसार, ये अवैध आप्रवासी अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बोझ हैं और इन्हें देश से बाहर करना ज़रूरी है। लेकिन इस कार्रवाई ने स्थानीय समुदायों में गुस्सा भड़का दिया। 8 जून तक प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसमें गाड़ियों में आगजनी, दुकानों में लूटपाट और पुलिस पर पथराव की घटनाएं सामने आईं। और अगले तीन दिनों में हिंसा ने तमाम दूसरे शहरों को भी चपेट में ले लिया।

प्रदर्शन और हिंसा के जवाब में, ट्रंप ने राष्ट्रपति के विशेषाधिकारों का इस्तेमाल करते हुए कैलिफोर्निया की सहमति के बिना 2100 नेशनल गार्ड तैनात कर दिए। इसके अलावा 700 मरीन सैनिकों को भी तैनात किया गया है। ये तैनाती इस बार आंतरिक अशांति को नियंत्रित करने के लिए तैनात की गई है। इस का उद्देश्य हिंसा को दबाना, ICE की छापेमारी का समर्थन करना और कानून-व्यवस्था बहाल करना है। इस कार्रवाई में 1100 गिरफ्तारियों और दो लोगों की मौत के साथ स्थिति को और जटिल कर दिया है।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजेल्स की मेयर कैरेन बास ने बिना संघीय सरकार की सहमति के हुई इस तैनाती को असंवैधानिक करार दिया है। मेयर बास का कहना है, हम अंधेरे में हैं। हमारे पास स्थिति से निपटने की क्षमता है, और हमें सेना या नेशनल गार्ड की जरूरत नहीं है, खासकर जब हमने इसके लिए कहा ही नहीं था।

न्यूसम ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका तर्क है कि यह तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है और संघीय शक्ति का दुरुपयोग है। न्यूसम ने चेतावनी दी है कि यह संकट कैलिफोर्निया तक सीमित नहीं रहेगा; अन्य राज्यों का नंबर भी आएगा।

कानूनी विशेषज्ञ भी ट्रंप की नीतियों को अमेरिकी संविधान के समानता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों के खिलाफ मानते हैं। यदि यह मुकदमा सफल होता है, तो ट्रंप की नीतियों पर रोक लग सकती है। लेकिन असफलता की स्थिति में ICE की कार्रवाइयां और तेज हो सकती हैं, जिसमें प्रतिदिन 1600 अवैध आप्रवासियों की गिरफ्तारी और 3000 के निर्वासन का लक्ष्य शामिल है।

ट्रंप का दूसरा कार्यकाल आप्रवासन पर कठोर नीतियों का प्रतीक है। उन्होंने दक्षिणी सीमा पर राजनीतिक शरण प्रणाली को निलंबित कर दिया। हैती, वेनेजुएला और क्यूबा जैसे देशों के लिए अस्थायी वैध निवास समाप्त किया, और ICE को देशभर में छापेमारी की खुली छूट दी। मास्क पहनकर प्रदर्शन करने वालों की तत्काल गिरफ्तारी का उनका आदेश और फरवरी 2025 में भारतीय आप्रवासियों को हथकड़ियों में भारत वापस भेजने की घटना उनकी सख्त नीतियों का उदाहरण है।

पिछले प्रशासनों से तुलना करें तो ओबामा और बाइडन ने इस समस्या पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाया था। ओबामा का DACA (Deferred Action for Childhood Arrivals) प्रोग्राम बचपन में आए आप्रवासियों को कानूनी सुरक्षा देता था, जबकि बाइडन ने शरणार्थियों के लिए प्रक्रिया को सरल करने की कोशिश की। लेकिन ट्रंप की नीतियां पूरी तरह सीमा नियंत्रण और निर्वासन पर केंद्रित हैं। उनके समर्थक इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी मानते हैं, जबकि आलोचक इसे अमानवीय और नस्लवादी ठहराते हैं।

आप्रवासन का मुद्दा अमेरिका में हमेशा नस्लीय तनाव से जुड़ा रहा है। ट्रंप की नीतियों को कई लोग श्वेत वर्चस्ववाद से जोड़ते हैं, खासकर उनके पहले कार्यकाल के सात मुस्लिम-बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध और 2025 में 12 देशों पर नए प्रतिबंधों के बाद इस आरोप को और हवा मिली है। श्वेत आबादी का एक हिस्सा मानता है कि आप्रवासी उनकी नौकरियां और संस्कृति को खतरे में डाल रहे हैं। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि आप्रवासी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, खासकर कृषि, निर्माण और तकनीकी क्षेत्रों में। दूसरी ओर, लैटिनो और अफ्रीकी समुदाय ICE की कार्रवाइयों से आतंकित हैं, जिसने हिंसा और विरोध को जन्म दिया है। No Ban, No Wall जैसे नारे इस गुस्से और संगठित विरोध का प्रतीक हैं।

यह विडंबना है कि अमेरिका, जो खुद आप्रवासियों द्वारा बसाया गया देश है, आज इस मुद्दे पर बंटा हुआ है। मूल निवासियों (रेड इंडियंस) का संहार इस इतिहास का दुखद हिस्सा है। लेकिन आज, नये आप्रवासियों का आगमन सामाजिक तनाव का कारण बन रहा है। ट्रंप की नीतियां पुराने नस्लीय और आर्थिक डर को नए रूप में पेश कर रही हैं, लेकिन इस बार विरोध पहले से ज्यादा मुखर है, क्योंकि आप्रवासी समुदाय अब अधिक संगठित और जागरूक हैं।

लॉस एंजेल्स से शुरू हुआ यह संकट अब राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है। मरीन और नेशनल गार्ड की तैनाती, ICE की आक्रामक कार्रवाइयां, और कैलिफोर्निया का मुकदमा यह दर्शाते हैं कि यह केवल आप्रवासन नीतियों की लड़ाई नहीं, बल्कि अमेरिकी लोकतंत्र, संघीय शक्ति और मानवाधिकारों की जंग है। ट्रंप की नीतियां हिंसा को भड़का रही हैं, लेकिन इसके पीछे गहरे सामाजिक और नस्लीय तनाव भी हैं। सवाल यह है कि क्या यह संकट अमेरिका को एकजुट करेगा या इसे और विभाजित करेगा?

(सत्य हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बेटियां, शुभकामनाएं हैं।
बेटियां, पावन दुआएं हैं।
बेटियां, जीनत हदीसों की,
बेटियां जातक कथाएं हैं।
बेटियां, गुरुग्रंथ की वाणी,
बेटियां, वैदिक ऋचाएं हैं।
जिनमें खुद भगवान बसता है,
बेटियां, वे वंदनाएं हैं।
त्याग, तप, गुण, धर्म, साहस की,
बेटियां, हर्षित व्यथाएं हैं।
लू-लपट को दूर करती हैं,
बेटियां, जल की घटाएं हैं।
इस प्रदूषण के जमाने में,
बेटियां, सुरभित फिजाएं हैं।
दुर्दिनों के दौर में देखा,
बेटियां, संवेदनाएं हैं।
गर्म झोंके बन रहे बेटे,
बेटियां, ठंडी हवाएं हैं।

- अजहर हाशमी

ब्लैकबाक्स मिल गया, अब खुलेंगे क्रैश के राज

- एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का डीवीआर हुआ बरामद
- अब तक 265 शव अस्पताल लाए गए, डीएनए सैंपलिंग जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुर्घटनाग्रस्त प्लेन एयर इंडिया फ्लाइट नंबर एआई-171 का ब्लैक बाक्स विमान की छत से बरामद हो गया है। वहीं डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद इसे मलबे से बरामद किया गया है। बता दें कि इस डीवीआर से महत्वपूर्ण डेटा स्टोर रहता है जिससे विमान दुर्घटना का सही कारण पता चल पाएगा। बता दें कि फ्लाइट में लगे सीसीटीवी कैमरे बहुत कुछ रिकॉर्ड करते हैं, जिसका डाटा डीवीआर में स्टोर होता है। ये कैमरे कॉक-पिट से लेकर पैसेंजर केबिन तक सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं। एंट्री और एग्जिट गेट के साथ इमरजेंसी गेट भी इनकी नजरों से बच नहीं पाते। इन कैमरों में रिकॉर्डिंग स्टोर भी होती है। घटना की पुष्टि करते हुए घटनास्थल पर मौजूद एटीएस अधिकारी ने कहा कि यह एक डीवीआर है, जिसे हमने मलबे से बरामद किया है। एफएसएल टीम जल्द ही आएगी।

आग से लोहे गल गए, लेकिन भगवद् गीता को खरोंच भी नहीं

इस दौरान रेस्क्यू टीम को एक भगवद गीता मिली। संभवत: कोई यात्री इस पवित्र ग्रंथ को अपने साथ रखकर अहमदाबाद से लंदन की यात्रा कर रहा हो। जहां सभी सामान जलकर राख हो चुके थे, वहां भगवद् गीता पूरी तरह सुरक्षित और पढ़ने योग्य अवस्था में थी। वहां मौजूद लोग इसे किसी चमत्कार की तरह देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक व्यक्ति दुर्घटनास्थल पर मलबे के बीच से गीता के पन्नों को दिखाते नजर आ रहा है। मलबे में बुरी तरह जले और टूटे-फूटे विमान के हिस्सों के बीच भगवद गीता का सुरक्षित पाया जाना न केवल चमत्कार माना जा रहा है बल्कि यह लोगों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक बन गया है। घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति द्वारा गीता के पन्ने दिखाते हुए इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों की भावना को छुआ है।

अहमदाबाद विमान हादसे में 60 विदेशी यात्रियों की मौत

- इनमें 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री शामिल
- ट्रम्प बोले-हम जो कर सकते हैं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इस प्लेन में 60 विदेशी नागरिकों की भी मौत हो गई है। हादसे में एक ब्रिटिश पैसेंजर जिंदा बच गया है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे घटना को प्लेन हादसों के इतिहास में सबसे बुरी दुर्घटनाओं में से एक बताया है। व्हाइट हाउस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना थी। हम जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे। ट्रंप ने कहा- किसी को कुछ पता नहीं चला कि क्या हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह ठीक-ठाक उड़ रहा था। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने संसद में कहा- मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय अधिकारियों की मदद के लिए एक टीम भारत भेजी गई है। विदेश सचिव इस पर काम कर रहे हैं और जल्द इस बारे में जानकारी देंगे।

पीएम मोदी ने पूर्व सीएम रूपाणी के परिवार से मुलाकात की

पीएम मोदी ने गांधीनगर में विजय रूपाणी के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि विजयभाई अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता था। हमने साथ मिलकर काम किया, कंधे से कंधा मिलाकर, कई मुश्किल दौरों में भी।

विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित थे। उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और बाद में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ईमानदारी से सेवा की।

एयर इंडिया के बोइंग 787-8

- इजरायल-ईरान के बीच युद्ध ने एक दिन में बदल दिया खेल

सोना हुआ महंगा, तेल में आई तेजी, शेयर बाजार में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को बाजार में सब कुछ उथल-पुथल हो गया। शेयर मार्केट में जहां बड़ी गिरावट आई तो वहीं सोने और कच्चे तेल की कीमत बढ़ गई। इसका सबसे बड़ा कारण है ईरान और इजरायल के बीच बने युद्ध के हालात।

इजरायल ने ईरान पर मिसाइल से हमला बोल दिया है। वहीं ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। इससे इंटरनेशनल मार्केट में उठा-पटक हो गई। इकोनॉमिक के अनुसार पश्चिमी देशों में शुक्रवार 13 तारीख को अशुभ माना जाता है। इस शुक्रवार को भी ऐसा ही हुआ। शेयर बाजार सेंसेक्स 1300 अंक से ज्यादा गिर गया। निफ्टी भी 24,500 के स्तर से नीचे चला गया। हर तरफ शेयर बेचने की होड़ लग गई। इजरायल के हमले से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। यह क्षेत्र तेल उत्पादन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे पहले से ही दबाव में चल रहे वैश्विक बाजारों पर और दबाव बढ़ गया है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों ने भी बाजार को परेशान कर रखा है। शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। ऐसा कमजोर रुपये और वैश्विक बुलियन बाजारों में तेजी के कारण हुआ। बुलियन बाजार सोने और चांदी के बाजार को कहा जाता है। विश्लेषकों का कहना है कि मध्य पूर्व में अगर युद्ध की स्थिति और बिगड़ती है, तो सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बढ़ेगी और इसकी कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। जब दुनिया में राजनीतिक या आर्थिक अनिश्चितता होती है तो लोग सोने में निवेश करना पसंद करते हैं, क्योंकि इसे एक सुरक्षित संपत्ति माना जाता है।

आम जन की सुविधा के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम की होगी शुरूआत: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उज्जैन में होगी खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ आमजन को आसानी से दिलाने के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम तैयार किया जाए। जिसमें विभिन्न विभागों की सेवाएं एक साथ जोड़कर, आमजन को एक ही स्थान पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। यूनिफाइड पोर्टल को विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को जोड़कर लांच किया जाए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों की जानकारी आमजन को आसानी से मिल सके, इसके लिए जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। जनता को विभिन्न कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी देने के उद्देश्य से होर्डिंग्स लगाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उज्जैन में सिंहस्थ-2028 में विभिन्न तकनीकी कार्यों एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में नवीन प्रौद्योगिकी की मदद ली जाए। इसे सुनिश्चित करने के लिए एमपीएसइडीसी सॉफ्टवेयर/ऐप तैयार करें और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को भी निर्देशित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जाए। इसके साथ ही शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

21 जून को उज्जैन के डोंगला में आयोजित होगी राष्ट्रीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) को उज्जैन में 'खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होगा। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं अन्य सहयोगियों की ओर से यह कार्यशाला डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में आयोजित की जाएगी।

ड्रोन से निगरानी तंत्र को मजबूत कर डेटा संग्रहण क्षमता बढ़ाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन के उपयोग की व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ड्रोन के माध्यम से निगरानी तंत्र को मजबूत करते हुए डेटा संग्रहण क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी गई कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, रेरा, लोक निर्माण, जल संसाधन सहित विभिन्न विभागों की परियोजनाओं में सर्वेक्षण एवं निगरानी कार्य के लिए ड्रोन की सहायता ली जा रही है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 41 °c | न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 14 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जल गंगा संवर्धन अभियान

जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश को बड़ी सफलता खंडवा बना देश-प्रदेश का टॉप जिला

- राज्यों में मध्यप्रदेश देश में चौथे नंबर पर
- अभियान में बनी लक्ष्य से काफी अधिक जल संरचनाएं
- जलदूत पंजीयन का लक्ष्य 1,62,400 और बने 2,30,749

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के संकल्प के लिये जन-सहभागिता जुटाने में एक ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ है। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून, 2025 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नदियों, जल स्रोतों और वेटलैंड्स का संरक्षण तथा पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जारी नवीनतम राज्य स्तरीय प्रदर्शन डैशबोर्ड के आकलन के अनुसार खंडवा मध्यप्रदेश में पहले स्थान पर है। इससे पूर्व केन्द्रीय एजेंसी ने जल संरक्षण कार्यों के लिए खंडवा को देश का शीर्ष जिला घोषित किया है। इस सूची में मध्यप्रदेश को चौथे स्थान मिला है।

खेत-तालाब निर्माण का लक्ष्य 77,940 तय किया गया था, लेकिन प्रदेश में 79,815 खेत-तालाबों का निर्माण हो रहा है, जो शत प्रतिशत से भी अधिक है। अभियान की अवधि में प्रतिदिन औसतन 1,078 खेत-तालाबों के निर्माण का प्रारंभ किया जा रहा है। डगवेल रिचार्ज संरचनाओं के लिये 1,03,900 के लक्ष्य में से 1,00,321 संरचनाओं का निर्माण जारी है, जो लक्ष्य का 96.56त्न है। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 1,355 डगवेल निर्माण शुरू किया जा रहा है। अमृत सरोवर लक्ष्य 992 के मुकाबले 1,254 निर्मित किये जा रहे हैं। मायभारत पोर्टल पर जलदूत पंजीयन का लक्ष्य 1,62,400 तय किया गया था, जबकि 2,30,749 स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया जा चुका है जो लक्ष्य काफी अधिक है।

राज्य सरकार ने पाँच प्रमुख क्षेत्रों – पुराने एनआरएम कार्य, खेत-तालाब, डगवेल, अमृत सरोवर और मायभारत पंजीयन – पर आधारित 100 अंकों की रैंकिंग प्रणाली लागू की है। इस आधार पर खंडवा जिला 71.09 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा। खेत-तालाब निर्माण, डगवेल रिचार्ज और अमृत सरोवर की शुरुआत में खंडवा का प्रदर्शन सर्वोत्तम रहा। रायसेन (60.85 अंक), बालाघाट (59.52 अंक) और बुरहानपुर (55.85 अंक) क्रमशः दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। प्रदेश के अधिकांश जिलों ने अमृत सरोवर और मायभारत श्रेणियों में पूर्ण अंक प्राप्त किए, हैं।

जनादेश को कुचलने नहीं देंगे, लड़ने के लिए तैयार हैं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में चल रही सरकार और एलजी मनोज सिन्हा के बीच तनातनी बढ़ती दिखाई दे रही है। राज्य के उपमुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के सीनियर नेता सुरिंदर चौधरी ने एलजी मनोज सिन्हा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। चौधरी ने बीजेपी पर एलजी मनोज सिन्हा के जरिए 'प्रॉक्सी सरकार' चलाने का आरोप लगाया और कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाना चाहिए। चौधरी ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ेगी की तो सरकार सड़कों पर उतरेगी। चौधरी ने एलजी का नाम लिए बिना कहा कि अगर कोई सोचता है कि वह लोगों के द्वारा दिए गए जनादेश को कुचल सकता है तो ऐसा नहीं होगा।

तापमान 48 डिग्री पहुंचने की आशंका, और जलाएगा पारा

- यूपी-एमपी सहित 9 राज्यों में हीटवेव की अलर्ट जारी

राजस्थान-हरियाणा में रेड अलर्ट, तेलंगाना में 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून 29 मई से मुंबई-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुका है। साउथ और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 9 राज्यों में आज हीटवेव का अलर्ट है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट है। यहां तापमान 45 डिग्री से ऊपर जा सकता है। वहीं, हरियाणा के 9 जिलों में दिन का तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू चलने की चेतावनी है। वहीं, राजस्थान के भी 22 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। गुरुवार को श्रीगंगानगर, कोटा, बीकानेर सहित कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार रहा। दूसरी तरफ, मौसम विभाग ने कर्नाटक, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, असम, मेघालय और उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना जताई है।

इंदौर के बाद अब भोपाल मेट्रो पर फोकस

3 स्टेशन पर एंट्री-एग्जिट पर तेजी से काम; अगस्त-सितंबर में आएगी सीएमआरएस टीम

भोपाल (नप्र)। इंदौर में मेट्रो के कॉमर्शियल रन को 12 दिन बीत चुके हैं। 31 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल लोकार्पण किया था। इंदौर के बाद अब भोपाल मेट्रो पर फोकस है। खासकर 3 स्टेशन- एम्स, अलकापुरी और डीआरएम ऑफिस में एंट्री, एग्जिट समेत अधूरे काम तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। ताकि, अगस्त-सितंबर तक कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी टीम इंस्पेक्शन करने भोपाल आ जाए।

इंदौर मेट्रो के लोकार्पण के दौरान प्रधानमंत्री ने भोपाल मेट्रो के काम को भी तेजी से चलने की बात कही थी। ऐसे में उम्मीद है कि जब भी भोपाल में मेट्रो का कॉमर्शियल रन होगा, पीएम ही हरी झंडी दिखाने आएंगे। इसलिए मेट्रो के अधूरे कामों को तेजी से निपटाया जा रहा है। वहीं, मेट्रो एमडी एस. कृष्ण चैतन्य भी लगातार दो दिन से मैराथन मीटिंग और निरीक्षण कर रहे हैं। भोपाल में मेट्रो स्टेशन के अधूरे कामों को जल्दी पूरा करने पर फोकस है। एमडी एस. कृष्ण चैतन्य भी लगातार दौरे और बैठकें कर रहे हैं।

इन कामों को जल्दी पूरा करने का टारगेट- तीनों मेट्रो स्टेशन के एंट्री-एक्जिट, सिविल, सिस्टम, रोलिंग स्टॉक, ट्रैफिक, सिग्नलिंग, आंतरिक एवं बाहरी निर्माण कार्य पर फोकस है। इन्हें अगस्त तक हर हाल में पूरा करने का टारगेट रखा गया है।

लक्ष्मण सिंह का राहुल गांधी पर तंज, उन्हें क्या मालूम बारात का घोड़ा कैसे चलता है...

गुना/ भोपाल (नप्र)। कांग्रेस निष्कासित पूर्व राजगढ़ सांसद व पूर्व चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह गुरुवार को कांग्रेस आलाकमान और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि जिनकी खुद की बारात नहीं निकली, उन्हें क्या मालूम बारात का घोड़ा कैसे चलता है?

संवाददाताओं ने लक्ष्मण सिंह से उनके निष्कासन से जुड़ा सवाल करते हुए पूछा था कि राहुल गांधी ने भोपाल में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करते हुए कहा था कि कांग्रेस में जो लंगड़े घोड़े हैं उनको निकाला जाएगा। इसी के जबाव में उन्होंने यह तंज कसा।

अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर लक्ष्मण सिंह ने स्पष्ट किया कि वे अब दोबारा भाजपा में नहीं जाएंगे। सिंह ने यह भी कहा कि वहां (भाजपा) में उन्हें कोई अब लेगा भी नहीं। इसलिए प्रदेशभर में घूम-घूमकर जनसमर्थन हासिल करेंगे और एक नई कांग्रेस खड़ी करेंगे।

सिंह ने कहा कि मैं एक ऐसी पार्टी बनाना चाहता हूं, जिसमें कार्यकर्ता सीना तानकर चल सके। अब कांग्रेस में सिर्फ वही रह सकता है, जो कहे कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि मैं मानता हूं कि नेतृत्व ऐसा होना चाहिए, जो राष्ट्रहित की बात करे।

केन्द्र सरकार की गाइड-लाइन का तय समय-सीमा में हो प्रभावी क्रियान्वयन : मंत्री सारंग

मंत्री ने ली सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

भोपाल (नप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित ''सहकार से समृद्धि'' के विज़न के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने आगामी 20 जून को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित उच्च स्तरीय बैठक के लिए राज्य स्तर पर की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री सारंग शुक्रवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल भी बैठक में उपस्थित थे।

मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की सिद्धि के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की हर योजना को हर गाँव, हर पंचायत, हर किसान और हर सहकारी संस्था तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ शत-प्रतिशत क्रियान्वयन तय समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ हो।

मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश के पैक्स की वर्तमान स्थिति, पैक्स अंतर्गत की जा रही गतिविधियाँ, बी-पैक्स को एम-पैक्स के रूप में डेवलप करना, प्रदेश के सहकारी बैंकों की वर्तमान स्थिति एवं सुदृढ़ीकरण पर चर्चा, प्रदेश के पैक्स द्वारा माइक्रो एटीएम के संचालन एवं विस्तार, पैक्स सोसाइटी द्वारा खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था की समीक्षा, पैक्स कंप्यूटरीकरण की जिलेवार समीक्षा, प्रत्येक पंचायत में पैक्स, प्राथमिक डेयरी एवं मत्स्य पालन सहकारी समितियों का गठन एवं संचालन, पैक्स के माध्यम से सीएससी सेवाएं, जन-औषधि केन्द्र का संचालन, भारतीय बीज सहकारी समिति, नई राष्ट्रीय सहकारी जैविक समिति, एफपीओ का गठन, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर अभी तक किए गए कार्य एवं भविष्य की कार्य-योजना सहित सीपीपीपी द्वारा किये गये कार्य की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक विपणन संघ श्री अलोक कुमार सिंह, उप सचिव श्री मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक श्री मनोज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एयर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

- बम होने की सूचना, फुकेट से दिल्ली आ रहा था, 156 यात्री सवार थे

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट ट्रैकर 'फ्लाइट्रेडर24' के हवाले से बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिग की।

मंदिर के पास 'बीफ' मिलने के बाद धुबरी में भारी तनाव

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दिए गोली मारने के आदेश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के धुबरी में दो समुदायों के बीच तनाव की घटना के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा है कि धुबरी में एक विशेष वर्ग हमारे मंदिरों को क्षति पहुंचाने की नीयत से सक्रिय हो चुका है। इसके बाद हमने देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। धुबरी में एक मंदिर के पास मांस फेंकने की घटना के बाद बवाल खड़ा हो गया था। यह भी कहा गया था कि यह बीफ है। इसके बाद धुबरी शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। अब सीएम ने शूट एड साइड के ऑर्डर दिए हैं। असम के धुबरी में रविवार को मंदिर के पास मांस मिलने के बाद विरोध शुरू हुआ था।

इसके बाद इलाके में तनाव फैल गया था। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर प्रदर्शनकारियों को काबू में किया था। पुलिस ने इलाके में शांति बहाल करने के लिए हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोगों को शामिल करके शांति कमेटियां बनाई थीं। इसके बाद गुवाहाटी से आए कानून-व्यवस्था के महानिरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह और दूसरे अधिकारियों ने भी दौरा किया था।

अनुष्का से रिश्ता कबूलने के बाद बनारस में दिखे 'तेज'

- लाली के लाल ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव हाल ही में अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर सुर्खियों में आए थे। अनुष्का यादव के साथ फेसबुक पर उनकी फोटो वायरल हुई। इसके बाद लालू यादव ने उनको राजद से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इन विवादों के बीच तेज प्रताप यादव वाराणसी में नजर आए। उन्होंने यहां काशी विश्वनाथ का दर्शन किया। फिर सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में तेज प्रताप यादव भक्ति अवतार में नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है- बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद हो, मां गंगा का निर्मल पवित्र घाट हो, पूरी दुनिया को मैं भूल जाऊं। बनारस में मेरा भोला मुझे याद हो, हर हर महादेव बोलना ही होगा।

इजरायल की ईरान पर बमबारी

मचाई भीषण तबाही

ईरान के 4 एटमी ठिकाने किए तबाह, 2 सैन्य अड्डे भी बर्बाद

सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ व दो परमाणु वैज्ञानिकों की मौत

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान के 4 एटमी और 2 सैन्य ठिकानों पर 200 फाइटर जेट से मिसाइलें दागीं। हमले में ईरान के सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स के चीफ, 2 बड़े परमाणु वैज्ञानिक समेत 5 बड़े अफसर मारे गए। हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा कि ईरान परमाणु बम तैयार करने वाला था, इसलिए उस पर हमला किया गया।

इजराइली सेना का दावा है कि ईरान के पास 15 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम है। इजराइल ने इसीलिए टारगेट भी 4 बड़े न्यूक्लियर प्लांट्स को किया। वहीं हथियार बनाने की क्षमता रखने वाली एक फैक्ट्री और बड़े मिलिट्री अफसरों के रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स को भी तबाह कर दिया।

इजरायल एयरफोर्स से 12 घंटे के भीतर फिर से ईरान पर बहुत ही भयानक हमला किया है। इस बार इजरायली वायुसेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों, बैलिस्टिक मिसाइलों, हमलावर ड्रोन क्षमताओं और एयर डिफेंस पर काफी भयानक हमले किए हैं। इजरायल डिफेंस फोर्स ने कहा है कि संपूर्ण सेना, वायुसेना और इजरायल राष्ट्र के लिए, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइलों से उत्पन्न खतरों को दूर करने के ऐतिहासिक क्षण में हैं। इजरायली सेना ने बयान जारी करते हुए कहा है कि इजरायली वायुसेना और खुफिया निदेशालय ने कई महीनों से ऑपरेशन राइजिंग लायन की योजना बनाई थी, जबकि वे पहले से ही कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहे थे। सेना ने कहा कि यह ईरान जैसे बहुत कठिन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक अत्यंत जटिल ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। इससे पहले आज अल सुबह भी इजरायल ने ईरान पर प्री-एम्पटिव स्ट्राइक यानी पूर्व-खतरे को टालने के लिए पहला हमला किया था। इजरायल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा था कि इजरायल ने अपनी नागरिक आबादी की सुरक्षा के लिए यह कार्रवाई की है। इसके बाद इजरायल में राष्ट्रव्यापी आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। काट्ज ने चेतावनी दी है कि ईरान की तरफ से मिसाइल और ड्रोन हमलों की आशंका है, जो किसी भी क्षण इजरायल के नागरिक क्षेत्रों को निशाना बना सकते हैं।

पंजाब में एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

- पठानकोट से उड़ान भरी थी, खेत में उतारा, आर्मी ने एरिया घेरा

पठानकोट (एजेंसी)। पंजाब के पठानकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हेलीकॉप्टर ने पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी। जैसे ही वह हलेड़ा गांव के पास पहुंचा तो तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया। सूचना मिलते ही सेना और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। हेलीकॉप्टर में सवार जवान सुरक्षित हैं। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। सेना ने आसपास का एरिया सील कर दिया। इसके बाद किसी को आसपास नहीं जाने दिया गया। करीब 2 घंटे बाद हेलीकॉप्टर रवाना हो गया। कल अहमदाबाद में एयर इंडिया की बोइंग 787 ड्रीमलाइनर फ्लाइट-ढ्ढ-171 क्रैश हो गई थी। इसमें विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई। आज पठानकोट में जो अपाचे हेलीकॉप्टर लैंड हुआ है, उसे भी बोइंग कंपनी ही बनाती है। इससे

पहले इसी महीने की 6 जून को यूपी के सहारनपुर में एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी। सरसावा स्टेशन से हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। इसमें 2 पायलट थे।

नगरीय क्षेत्रों को नगर वन से पर्यावरण के अनुकूल बनायें : अपर मुख्य सचिव शुक्ला

हरित क्षेत्र के मामले में मध्यप्रदेश बने देश का मॉडल स्टेट

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला ने कहा है कि बढ़ती आबादी के दबाव के कारण शहरों का पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। जरूरत इस बात की है कि जन भागीदारी से हम शहरों में हरित क्षेत्र को बढ़ायें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पौधरोपण के साथ-साथ हम पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला शुक्रवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में अमृत हरित महा अभियान पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण जुड़ी गतिविधियों और पहल का प्रसार करना है। कार्यशाला में समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि आगामी बारिश के मौसम के दौरान जिन चिन्हित स्थानों पर पौधरोपण होना है, वहां व्यापक स्तर पर तैयारी की जाये। श्री शुक्ला ने कहा कि शासकीय भवन परिसर, कॉलेज एवं स्कूल परिसर के आस-पास पौधरोपण किया जाये। उन्होंने कहा कि नगरों के कुल क्षेत्रफल का लगभग 20 से 25 प्रतिशत भाग समृद्ध हरित क्षेत्र होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से जिन पेड़ों को आस्था के साथ लगाया जाता रहा है, हम उनको स्थानीय परिस्थिति के अनुसार ज्यादा संख्या में लगा सकते हैं। इनमें आम, जामुन, पीपल, नीम इत्यादि हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वाले नगरीय निकायों को पुरस्कृत किये जाने की भी पहल की जाना चाहिए।

विषय विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यशाला में अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े, आईआईएफएम के डॉ. योगेश दुबे ने शहरी अधोसंरचना में नीली-हरी अवसंरचना का प्रबंधन, एप्को के श्री रामरतन ने जलवायु परिवर्तन, एसपीए भोपाल के श्री सौरभ पोपली ने शहरी स्थल पर हरित प्रणाली, अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित कानून और प्रमुख अभियंता श्री प्रदीप मिश्रा ने नगर वनों के विकास की जानकारी दी। कार्यशाला में दिव्यांग पार्क और छिंदवाड़ा में आधुनिक पार्क पर केन्द्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। रवीन्द्र भवन परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में नागरिकों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में खाद, बीज, उन्नत किस्म के पौधे, कृषि और उद्यानिकी के लिये उपयोगी यंत्रों का विक्रय एवं प्रदर्शन किया गया।

एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम

कार्यशाला में नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि वर्षा काल के दौरान प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापक पौधरोपण और वृक्षों की सुरक्षा की जिम्मेदारी शत-प्रतिशत जनभागीदारी से सफल हो सकती है। आयुक्त ने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा से जुड़ी 3 वर्ष की कार्य योजना बनाये जाना भी जरूरी है। आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक नगर परिषद में एक लाख, नगर पालिका में 5 लाख और नगर निगम में 15 से 20 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की जाये। औद्योगिक क्षेत्र की चर्चा करते हुए आयुक्त ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में वर्षा काल के इस सीजन में 11 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की गई है। इसी तरह की योजना मंडीदीप सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी बनाई जा रही है। आयुक्त ने कहा कि हमें अमृत मित्र तैयार करना होंगे, जो इस कार्य में सहयोग करेंगे।

मंत्री पटेल से महाराष्ट्र के अधिकारियों ने की भेंट

सिपरी सॉफ्टवेयर से प्रभावित हुआ महाराष्ट्र का दल फील्ड विज़िट में देखा ग्राउंड इम्पैक्ट

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल से महाराष्ट्र सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के छह सदस्यीय दल ने शुक्रवार को उनके शासकीय निवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर वर्षा जल के संचयन और भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए किए जा सकने वाले प्रयासों पर विस्तृत चर्चा हुई। महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों ने इस दौरान मध्यप्रदेश में वर्षा जल और भूजल प्रबंधन को लेकर किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की सराहना की। खासतौर पर दल ने जल गंगा संवर्धन अभियान और सिपरी सॉफ्टवेयर की प्रशंसा की। इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन श्री अवि प्रसाद, महाराष्ट्र सरकार के वाटरशेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलाकर रणदिवे, अवर सचिव मृदा एवं संरक्षण विभाग श्री देवेन्द्र भामरे, श्री प्रकाश पाटिल, क्षेत्रीय जल संरक्षण अधिकारी श्री दिलीप निपाने, जीआईएस विशेषज्ञ श्री अमोल विधाते और असिस्टेंट इंजीनियर श्री अविनाश देवपारे शामिल रहे।

महाराष्ट्र के दल ने को सिपरी सॉफ्टवेयर की सराहना- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश मनरेगा परिषद द्वारा किए गए नवाचारों का अध्ययन करने के लिए महाराष्ट्र सरकार का यह छह सदस्यीय दल 12 जून को दो दिवसीय दौरे पर भोपाल आया। दल के सदस्यों ने फील्ड में जाकर सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से चिन्हित किए गए खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने सिपरी सॉफ्टवेयर के कार्य को गहराई से देखा और उसकी तकनीकी कार्यप्रणाली की सराहना की। यह पहला अवसर है जब मध्यप्रदेश में सॉफ्टवेयर की मदद से वैज्ञानिक पद्धति से खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थलों का चयन किया गया।

दल ने किया फील्ड भ्रमण

भोपाल आगमन के पश्चात दल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी और मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन श्री अवि प्रसाद से पृथक से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। पहले दिन 12 जून को अधिकारियों ने भोपाल जिले की जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायत गुनगा एवं जैतपुर का भ्रमण किया, जहां उन्होंने सिपरी सॉफ्टवेयर से चिन्हित खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थल देखे। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा भी की। शुक्रवार को दल ने रायसेन जिले के सांची विकासखंड का भ्रमण किया और वहां भी सिपरी सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली को देखा व आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं।

एमपीएसईडीसी ने दी सॉफ्टवेयर की तकनीकी जानकारी

विकास भवन में एमपीएसईडीसी और इसके नॉलेज पार्टनर संस्थाओं के विषय विशेषज्ञों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से महाराष्ट्र से आए अधिकारियों को सिपरी सॉफ्टवेयर की तकनीकी जानकारी दी।साथ ही मनरेगा परिषद के अधिकारियों ने प्लानर सॉफ्टवेयर और एरिया ऑफिसर ऐप के बारे में भी दल को अवगत कराया। यह जानकारी इस बात पर केंद्रित थी कि ये तकनीकी उपकरण किस प्रकार कार्य को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाते हैं।

क्या है सिपरी सॉफ्टवेयर और प्लानर ऐप

सिपरी एक उन्नत तकनीकी सॉफ्टवेयर है, जिसे महात्मा गांधी नरेगा, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल द्वारा एमपीएसईडीसी और इसरो के सहयोग से विकसित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण हेतु उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। यह भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से कार्य करता है। वहीं प्लानर ऐप मनरेगा परिषद द्वारा विकसित एक डिजिटल उपकरण है जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा कार्यों की वार्षिक कार्ययोजना को सरलता से तैयार करना है। यह ऐप मनरेगा के उद्देश्यों और प्रावधानों के अनुपालन को भी सुनिश्चित करता है। इस तरह की पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राज्य में हो रहे हैं कार्य

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बारिश की हर बूंद का संचयन सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसका समापन 30 जून को होगा। अभियान के अंतर्गत सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद से प्रदेशभर में 79,815 खेत तालाब, 1,254 अमृत सरोवर और 1,03,900 कूप रिचार्ज पिट चिन्हित किए गए हैं, जिन पर निर्माण कार्य प्रगति पर है।अब तक 2 लाख 30 हजार से अधिक जलदूतों ने स्वयं को पंजीकृत किया है, जो इस अभियान को धरातल पर सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

उर्दू पाण्डुलिपियाँ नौ जुलाई तक आमंत्रित

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश उर्दू साहित्यकारों एवं शायरों से वर्ष 2025-26 के लिए उनकी पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए पाण्डुलिपियां सहित आवेदन 9 जुलाई तक आमंत्रित किये गये है। पाण्डुलिपियां म.प्र. उर्दू अकादमी, मुल्ला समूजी भवन भोपाल में कार्यालीन समय में प्राप्त की जा सकेंगी। आवेदकों के पाण्डुलिपि के साथ मध्यप्रदेश का मूल निवासी प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। ऐसे आवेदनों पर नहीं विचार किया जाएगा जिन्होंने विगत दस वर्षों में आर्थिक सहायता प्राप्त न की हो। पुस्तक प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता देने हेतु बनाई गई कमेटी का निर्णय ही अंतिम होगा।

पात्र हितग्राहियों को प्रति माह 2.90 लाख मीट्रिक टन नि :शुल्क खाद्यान्न वितरण

हितग्राहियों को खाद्यान्न लेने में नहीं हो कोई असुविधा : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रति माह लगभग 2 लाख 90 हजार मीट्रिक टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी 27 हजार 944 उचित मूल्य दुकानों में पीओएस मशीन स्थापित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

उचित मूल्य दुकानों में परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन/ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त किया जा सकता है। अशक्त एवं दिव्यांगजनों के लिये नॉमिनेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत यह लोग जिस व्यक्ति को नामांकित कर देते हैं, उन्हें खाद्यान्न प्रदान किया जाता है। राशन वितरण की सूचना हितग्राही को एसएमएस के माध्यम से भी देने का प्रावधान है। प्रदेश में लगभग 653 उचित मूल्य दुकानें शेडो एरिया में हैं, यहां पर समग्र परिवार आईडी के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण किया जाता है।

भोपाल में हाजियों की वापसी

पहली फ्लाइट से लौटे 160 यात्री, शहर काज़ी ने किया स्वागत

भोपाल (नप्र)। हज यात्रा से लौटे 160 हाजियों की पहली फ्लाइट जैसे ही शुक्रवार सुबह भोपाल एयरपोर्ट पर उतरी, वहां पर एक भावुक नजारा देखने को मिला। बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार और मोहल्ले के लोग एयरपोर्ट पर अपने अजीजों को लेने पहुंचे थे। लोगों ने फूल मालाएं लेकर हाजियों का स्वागत किया। एक-दूसरे से गले मिलकर दुआएं दी गईं और आंखें नम हो गईं।

कुछ बुजुर्ग हाजियों को व्हीलचेयर में भी एयरपोर्ट से बाहर लाया गया, जिनका परिजनों ने विशेष ध्यान रखा। शहर काजी मुश्ताक अली नदवी खुद भी मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने हाजियों को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा, यह वक्त सिर्फ खुशी का नहीं, बल्कि शुक्र का भी है।

शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे भोपाल एयरपोर्ट पर आई यह फ्लाइट हज कमेटी ऑफ इंडिया के तहत बुक की गई थी और यह इस वर्ष की पहली वापसी उड़ान थी। यात्रियों के लौटने पर भोपाल एयरपोर्ट पर विशेष इंतजाम किए गए थे। इस फ्लाइट में भोपाल जिले के सबसे अधिक 154 हाजी शामिल थे, जबकि नरसिंहपुर, रायसेन और सतना से 2-2 यात्री लौटे। इनमें 87 पुरुष और 73 महिलाएं शामिल रहीं।

शहर काजी मुश्ताक अली नदवी स्वयं एयरपोर्ट पहुंचे और उन्होंने हाजियों का इस्तकबाल किया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों के साथ मिलकर हाजियों की कबूलियत की दुआ मांगी। हाजियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और कहा कि यह यात्रा उनके जीवन का सबसे अहम हिस्सा रही। हाजियों की वापसी के लिए भोपाल एम्बार्केशन प्वाइंट से अन्य फ्लाइट्स भी अगले कुछ दिनों में तय हैं। प्रशासन और हज कमेटी की ओर से यात्रियों के लिए गाइडेंस, चिकित्सा और परिवहन की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

प्राइवेट छात्राओं से रेप-ब्लैकमेलिंग केस

240 पेज का चालान पेश, 57 गवाहों की लिस्ट भी कोर्ट को सौंपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्राइवेट कॉलेज की हिन्दू छात्राओं को टारगेट कर रेप और ब्लैकमेलिंग करने और धर्मांतरण के लिए मजबूर करने के आरोपियों के खिलाफ गुरुवार को कोर्ट में चालान पेश किया गया। बागसेवनिया पुलिस ने मुख्य आरोपी फरहान खान और साहिल खान के खिलाफ चालान पेश किया है। विशेष न्यायाधीश (पास्को एक्ट) नीलम मिश्रा की अदालत में यह चालान पेश किया गया है।

57 गवाहों की लिस्ट के साथ 240 पेज का चालान पेश किया है। पुलिस ने चालान के साथ पीड़िताओं की मेडिकल रिपोर्ट और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अदालत में पेश किए हैं। जेल में बंद आरोपियों में फरहान खान और साहिल खान को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस ने अदालत में पेश किया था।

जानकारी के मुताबिक रायसेन रोड स्थित एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ने वाली दो सगी बहनों ने आरोपी फरहान खान और उसके मित्र साहिल खान के खिलाफ पुलिस थाना बाग सेवनिया में 12 अप्रैल को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि फरहान ने धमकाकर, मारपीट कर मेरे साथ जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं मुस्लिम बनने के लिए कई बार दबाव बनाया। मैं उससे बहुत परेशान हो गई हूं।

अशोका गार्डन और जहांगीराबाद पुलिस ने भी केस दर्ज किया- मामला सामने आने के बाद आरोपी फरहान से पीड़िता अन्य छात्राओं ने भी उसके खिलाफ पुलिस थाना अशोका गार्डन और पुलिस थाना जहांगीराबाद में शिकायतें दर्ज कराई थीं। मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस के आला अफसरों ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। पुलिस ने फरहान और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अप्रैल को कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए पुलिस रिमांड पर लिया था।

कोर्ट में हुई थी पिटाई

पुलिस द्वारा आरोपियों के चेहरों को भगवा कपड़ा में छुपाकर कोर्ट में पेश किए जाने से आक्रोशित वकीलों ने आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी थी। कोर्ट परिसर में रात के 9 बजे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा था। 3 मई को अशोका गार्डन पुलिस ने आरोपी फरहान को ग्राम सरवर रातीबढ़ में शर्ट एनकाउंटर में दायें पैर में गोली मार दी थी। पुलिस ने बताया था कि फरहान द्वारा सब इंस्पेक्टर की सर्विस रिवाल्वर छीनने की कोशिश के दौरान हुई छीना-झपटी में उसके पैर में गोली लग गई। फरहान ने कोर्ट में बताया था कि उसे पुलिस ने गोली मारी है।

भोपाल में जमीन की नपती करने गए पटवारी से मारपीट

नजीराबाद के ग्राम रुनाहा की घटना, नपती रोकने से मना किया तो भड़का किसान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार दोपहर एक पटवारी से मारपीट का मामला सामने आया है। तहसीलदार कोर्ट के आदेश पर जमीन की नपती कर रहे पटवारी से एक किसान ने कार्रवाई बंद करने का कहा। नहीं मानने पर उसने मारपीट कर दी। मामले में पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। थाना प्रभारी अरुण मिश्रा के मुताबिक-पंकज प्रजापति पटवारी हैं। वह ग्राम रुनाहा में जमीन की नपती करने के लिए गए थे। जमीन की नपती करने के लिए उन्हें तहसीलदार कोर्ट ने आदेश जारी किया था।

पटवारी को मार दिया थप्पड़

जैसे ही पटवारी ने जमीन की नपती शुरू की, तभी पड़ोस में रहने वाला किसान हाकम सिंह गुर्जर आ गया और नपती का विरोध करने लगा। उसकी बात पर पटवारी ने कहा कि कोर्ट का आदेश है, इसलिए नपती होना जरूरी है।

इससे गुस्सा होकर आरोपी किसान ने पटवारी को थप्पड़ मारना शुरू कर दिया और उसके साथ मारपीट करने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने पटवारी को बचाया और खेत से सड़क पर लेकर आए। सड़क पर आने के बाद भी किसान ने पटवारी के साथ मारपीट की।

जांच के बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

इसके बाद पटवारी थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित में आवेदन दिया। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी किसान पर एफआईआर दर्ज की। पुलिस का कहना है कि अपराध सात साल से कम सजा वाला है, इसलिए आरोपी किसान को नोटिस दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर में श्रमिकों की मृत्यु पर किया दु :ख व्यक्त

मृतकों के परिजन को 2-2 लाख एवं घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आए 3 श्रमिकों की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हृदय विदारक घटना में घायल तीन अन्य श्रमिकों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। यह दुर्घटना शुक्रवार को एक मैरिज गार्डन में हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में दिवंगत व्यक्तियों के परिजन को दो-दो लाख रुपए और घायल श्रमिकों के समुचित उपचार के लिए 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल के ऐशबाग आरओबी की मंत्री को सौपेंगे रिपोर्ट

90 डिग्री टर्निंग से हादसों का खतरा, अजीब डिजाइन बन रही मजाक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन आरओबी की शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद ब्रिज को लेकर निर्णय लिए जा सकेंगे। हालांकि, 90 डिग्री के मोड़ को लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रिपोर्ट तैयार की है। जिसमें 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाने का सुझाव दिया गया है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है।

बता दें कि पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह की जानकारी में आने के बाद उन्होंने एनएचएआई के अफसरों से संपर्क किया और उनसे रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद एनएचएआई की टीम भी मौके पर पहुंची और रिपोर्ट तैयार की है। मंत्री सिंह ने सोशल मीडिया पर भी जानकारी दी है कि शुक्रवार को तकनीकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगामी कार्रवाई होगी।

सोशल मीडिया पर मीम्स भी बने

दरअसल, राजधानी में बना यह रेलवे ओवर ब्रिज इन दिनों अपनी अनोखी डिजाइन के कारण सुर्खियों में है। लोग सोशल मीडिया पर इसके मीम्स बना रहे हैं। इस ब्रिज पर 90 डिग्री के एंगल से मोड़ दिया गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यहां वाहन कैसे टर्न लेंगे। वाहनों के या तो ब्रिज की दीवारों से या फिर आपस में टकराने का खतरा बना रहेगा।

वाहन ब्रिज से नीचे गिरने का रहेगा खतरा

इस बारे में मैनिट के ट्रैफिक एक्सपर्ट डॉ. सिद्धार्थ रोकड़े ने कहा कि यदि जगह की कमी के कारण एंगल कम दिया जाए तो गाड़ियों की स्पीड पर नियंत्रण जरूरी है। यहां सिर्फ साइन बोर्ड लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि यहां स्पीड कम करने के तरीके अपनाने होंगे। यदि यह नहीं किए गए तो गाड़ी नीचे गिर सकती है।

संपादकीय

कितने सुरक्षित हैं बोइंग विमान?

अहमदाबाद से लंदन जा रहे बोइंग कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान के टैक ऑफ के तुरंत बाद जमीन पर धड़ाम से आ गिरने और इस हादसे में विमान यात्रियो सहित कुल 266 लोगों की असमय मौत सचमुच ह्रदय विदारक है। विमान के उड़ान भरते ही ऐसी कुछ खराबी आ गई कि पायलट को बचाने का वक्त भी नहीं मिला। इस हादसे में दोनो पायलट समेत सभी क्रू मेंबर्स भी जान गंवा बैठे। विमान के नीचे आते ही उसके फ्यूएल में भयंकर आग गई, जिसमें एक को छोड़ सभी यात्री और जिस बीजे मेडिकल होस्टल पर ये गिरा वहां 50 से ज्यादा लोगों की मौत ने विमान यात्रा की सुरक्षा और यात्री विमानों के रखरखाव के सवाल को रेखांकित किया है कि तमाम सावधानियों और सख्ति गाइड लाइन के बाद भी भारत में हवाई यात्रा इतनी असुरक्षित क्यों है? हालांकि विमान हादसा कहीं भी हो सकता है, लेकिन एयर इंडिया के इस विमान की दुर्घटना को लेकर विशेषज्ञ भी ठीक से कयास नहीं लगा पा रहे हैं कि चंद सेकंड में ही यह भयंकर हादसा कैसे हो गया? आखिर कहां गड़बड़ी थी, और कहां कमी रह गई? क्योंकि पूरी दुनिया में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर को सबसे सुरक्षित माना जाता रहा है। इसके लांच होने के 14 साल के इतिहास में यह पहली दुर्घटना और भारत में विमान हादसों में यह दूसरा सबसे बड़ा हादसा है। जो विमान गिरा वो काफी समय से लगातार सेवाएं दे रहा था। इसके बाद भी हादसा कैसे हो गया, यह सवाल पूरी दुनिया में पूछा जा रहा है। जानकारों का कहना है कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में शुरुआत से गुणवत्ता नियंत्रण और निर्माण से जुड़ी कई समस्याएं रही हैं, जिससे इसके संचालन में देरी, दोबारा काम करने की ज़रूरत और अस्थायी रूप से उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। इनमें फ्यूज़लज जोड़, फास्टर गलत तरीके से लगाए जाना और संरचनात्मक मजबूती से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। जबकि कई उड़ान विशेषज्ञों का मानना है कि कहीं कोई तकनीकी चूक हुई है, जिससे विमान नीचे आ गिरा। वास्तव में क्या हुआ, यह तो गहन जांच के बाद ही पता चलेगा। विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। इससे कई खुलासे हो सकते हैं। गौरतलब है कि यह हादसा 2025 में बोइंग 787 8 ड्रीमलाइनर के साथ जुड़े कुल छह हवाई हादसों में से एक है। वहीं, 2009 में इसके पहले क्रैश के बाद से यह 100 से अधिक घटनाओं में शामिल रहा है। इस साल की शुरुआत में, वाशिंगटन जाने वाली एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को इवोरी कोस्ट के ऊपर उड़ान के दौरान अचानक इमरजेंसी की वजह से लागोस में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी. यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट 613 में 245 यात्री, आठ फ्लाइट अटेंडेंट्स और तीन पायलट सवार थे, जब सबसे ऊपर हवाई क्षेत्र में तकनीकी गड़बड़ हुई। विमान अचानक ऊंचाई से नीचे गिर गया, जिससे यात्रियों में घबराहट मच गई। सूचना के अनुसार छह यात्री घायल हुए। 2018 और 2019 में हुए 737 MAX विमानों के घातक क्रैश के बाद बोइंग को विश्व स्तर पर कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ा, जिसमें 350 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। ह्विसलब्लोअर सैम सालेहपोर, जो बोइंग में इंजीनियर थे, ने आरोप लगाया था कि बोइंग ने अपने 777 और 787 ड्रीमलाइनर जेट्स के निर्माण में शॉर्टकट अपनाए, और जैसे-जैसे विमान पुराने होंगे, ये जोखिम 'विनाशकारी' साबित हो सकते हैं। सालेहपोर के अनुसार, असेंबली टीम ने अलग-अलग जगह बने फ्यूज़लाज हिस्सों को जोड़ते समय छोटे-छोटे गैप्स को ठीक से नहीं भरा – यह खामी विमान पर तनाव बढ़ाती है, उसकी मजबूती को कम करती है और 'विनाशकारी' हादसे को न्यौता देती है। इसके बावजूद कोई सुधार हुआ हो, ऐसा नहीं लगता।

चिंता की वजह भारत की घटती प्रजनन दर

संयुक्त राष्ट्र की एक पूर्व रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2023 में जनसंख्या के मामले में चीन से आगे निकलना शुरू किया, जिस पर लोकसत्ता ने 'लाभांश की अक्षमता' (20 अप्रैल, 2023) शीर्षक वाले संपादकीय में टिप्पणी की थी। उस समय, भारत की जनसंख्या ने चीन को 142 ।86 करोड़ से पीछे छोड़ दिया था। चीन की जनसंख्या भारत (142 ।57 करोड़) से केवल 3 मिलियन कम थी। यह किया गया था। चीन इस अनुमान से चूक गया। दूसरे शब्दों में, चीन ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि 1 ।56 प्रतिशत थी। उस समय, यह अनुमान लगाया गया था कि 2050 तक, भारत लगभग 1 ।67 बिलियन मनुष्यों के पालन-पोषण के लिए जिम्मेदार होगा। वर्तमान रिपोर्ट उसी गति को दर्शाती है। अगले 40 वर्षों में, हम 'एक सौ सत्तर-कोने' के निशान तक पहुंच गए हैं। उस समय, चीन की आबादी लगभग 131 करोड़ होगी। यानी भारत और चीन की वर्तमान जनसंख्या से भी कम।

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र पत्रकार हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत जनसंख्या के मामले में सभी देशों से आगे निकल गया है और अगले 40 वर्षों में जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट में जनसंख्या और प्रजनन क्षमता को लेकर रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट का शीर्षक 'द रियल फर्टिलिटी क्राइसिस' है। इसमें भारत की घटती प्रजनन दर पर चिंता व्यक्त की गई है। इस तरह से ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि लाखों व्यक्ति अपनी वास्तविक प्रजनन आकांक्षाओं को हासिल करने में असमर्थ हैं ।मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अब से 40 साल बाद जनसंख्या में गिरावट शुरू होने से पहले लगभग 1.7 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं इस साल चीन की आबादी 1.41 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है ।बीते वर्ष जुलाई में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट विश्व जनसंख्या संभावना-2024 के मुताबिक, पिछले वर्ष भारत की जनसंख्या 1.44 अरब थी ।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि प्रति महिला 2 ।1 जन्मों की प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन क्षमता से भी कम है। इसका मतलब ये है कि महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या को बनाए रखने के लिए आवश्यक से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

गौर करें तो जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत की युवा आबादी काफी बड़ी है। इसमें 24 प्रति. 0-14 वर्ष की आयु के हैं। 17 प्रति. 10-19 वर्ष की आयु के हैं। और 26 प्रतिशत 10-24 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। इसके अतिरिक्त, 68 प्रतिशत आबादी कामकाजी आयु (15-64) की है। ये संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रस्तुत करती है। बशर्ते पर्याप्त रोजगार और इसको सपोर्ट करती हुई नीतियां बनें ।मौजूदा समय में बुजुर्ग आबादी (65 वर्ष और उससे ज़्यादा) 7 प्रतिशत है। आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ इस आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है ।इन आंकड़ों के पीछे उन लाखों दम्पतियों की कहानियां हैं, जिन्होंने अपना परिवार शुरू करने या बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही उन महिलाओं के अनुभव भी हैं जिनके पास गर्भधारण करने के संबंध में सीमित विकल्प थे, चाहे वे कब, कितनी बार या गर्भवती हों।

यह भी बताया जाता है कि अगले 40 वर्षों में 240 मिलियन और जुड़ जाएगी और फिर भारत की जनसंख्या पहले बस जाएगी और फिर कुछ हद तक घट जाएगी। यह सिर्फ आशावाद नहीं है, बल्कि आंकड़ों का आधार देश की औसत प्रजनन दर में गिरावट है। किसी ने कितने बच्चों को जन्म दिया है, इसकी कुल प्रजनन दर (TFR) 'कुल प्रजनन दर' के कारक से निर्धारित की जा सकती है। अर्थात, प्रति महिला बच्चों की संख्या प्रति व्यक्ति जन्म देती है। इतने लंबे समय तक यह 2.1 थी। अब यह घटकर 1.9 प्रतिशत हो गई है। स्थानांतरण दर से कम है। जनसंख्या के स्थिर रहने के लिए 'प्रतिस्थापन दर' एक आवश्यक कारक है। यह स्थानांतरण दर दर्शाती है कि जितने अधिक लोग मरते हैं, उतने ही नए जीव पैदा होते हैं। जितने गए, उतने ही आए के अनुपात को बनाए रखने के लिए। हमारी प्रजनन दर को पहली बार 1.9 प्रतिशत तक नीचे आना होगा। तो यह जो चला गया है उससे कम होगा और अगर यह जारी रहा, तो कुछ समय बाद जनसंख्या कम हो जाएगी। यह मानना भोलापन होगा कि भारत को 'जल्द' विकसित देशों में गिना जाएगा। जो लोग ऐसा महसूस करते हैं, वे यह मानने के लिए स्वतंत्र हैं कि भारत को विकसित देशों में गिना जाएगा। दूसरों के लिए इस वास्तविकता का सामना करना बेहतर है।

संयुक्त राष्ट्र की एक पूर्व रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2023 में जनसंख्या के मामले में चीन से आगे निकलना शुरू किया, जिस पर लोकसत्ता ने 'लाभांश की अक्षमता' (20 अप्रैल, 2023) शीर्षक वाले संपादकीय में टिप्पणी की थी। उस समय, भारत की जनसंख्या ने चीन को 142.86 करोड़ से पीछे छोड़ दिया था। चीन की जनसंख्या भारत (142.57 करोड़) से केवल 3 मिलियन कम थी। यह किया गया था। चीन इस अनुमान से चूक गया। दूसरे शब्दों में, चीन ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि 1.56 प्रतिशत थी। उस समय, यह अनुमान लगाया गया था कि 2050 तक, भारत लगभग 1.67 बिलियन मनुष्यों के पालन-पोषण के लिए जिम्मेदार होगा। वर्तमान रिपोर्ट उसी गति को दर्शाती है। अगले 40 वर्षों में, हम 'एक सौ सत्तर-कोने' के निशान तक पहुंच गए हैं। उस समय, चीन की आबादी लगभग 131 करोड़ होगी। यानी भारत और चीन की वर्तमान जनसंख्या से भी कम।

यानी इस देश में दस लाख से अधिक लोगों को अपनी प्रजनन क्षमता का उपयोग करने का अवसर नहीं है। इसके कारण आर्थिक से अधिक सामाजिक हैं। महिलाओं को अभी भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि क्या शादी करनी है, क्या केवल प्रजनन के लिए जन्म देना है, उनकी संख्या क्या होनी चाहिए, आदि ।इस रिपोर्ट से यही पता चलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 68 देशों में 44 प्रतिशत महिलाओं को अपने शरीर, गर्भनिरोधक उपयोग और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में कोई निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। भारत जैसे देशों में समस्या अधिक स्पष्ट है। उनमें से अधिकांश की मानसिकता यह है कि बच्चे पैदा करना पुरुष अधिकार है और महिलाएं पुरुष अधिकारों का बोझ हैं। बरगद के पेड़ों के आसपास दो दिन पहले के धागे के घोंसलों से इसे देखा जा सकता है। यह आपका डबल पंच है। एक परंपराओं के इर्द-गिर्द निर्मित वर्ग है। और दूसरी ओर, शिक्षितों के बढ़ते अनुपात के साथ, महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी और उस हद तक स्वास्थ्य देखभाल की कमी। हमारा असली सवाल यह है कि कामकाजी आयु वर्ग की सबसे बड़ी आबादी होने के बावजूद भारत में इसका वास्तव में उपयोग करने के लिए पर्याप्त अवसर की कमी है। यह पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित करता है। हमारी जनसंख्या का अड़सठ प्रतिशत 15 से 64 वर्ष की आयु के बीच है। इसका मतलब है कि देश में नागरिकों का एक बड़ा समूह 'उत्पादक' उम्र का है। यह सब आसानी से देश के आर्थिक विकास में योगदान कर सकता है। लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में पिछले दशक में देश में नौकरियों/नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हुई है। दूसरे शब्दों में, भविष्य में बेरोजगारी की समस्या और अधिक तीव्र हो सकती है।

इस पृष्ठभूमि में, हालिया रिपोर्ट को 'हमारी' जनसंख्या की गिरावट और 'उनकी' जनसंख्या के मिथकों को फैलाने की याद दिलाने के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। ऐसा होने से पहले, हमें अपनी केंद्र सरकार के आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा, जो मुसलमानों में 2.61 और हिंदुओं में 2.12 है। लेकिन यह राष्ट्रीय स्तर पर एक समान नहीं है। यह आर्थिक/सामाजिक/भौगोलिक कारकों के अनुसार भिन्न होता है। यह 41 है। जाहिर है कि इसके पीछे केरल में साक्षरता कारण है, लेकिन धर्म के स्तर पर केरल में बिहार की तरह अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी है। लेकिन केरल में प्रजनन दर में वृद्धि नहीं लगती क्योंकि वहां मुसलमान हैं ।जनगणना तक, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जनसंख्या का अंतर वास्तव में बढ़ गया। इस दौरान मुसलमानों की संख्या में 13.6 करोड़ की वृद्धि हुई जबकि हिंदुओं की आबादी में 67.6 करोड़ की वृद्धि हुई। अंतर लगभग चार या पांच गुना है। फिर, 2021 में, जनगणना हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि बहुप्रतीक्षित जनगणना 2027 में शुरू होगी, जिसका अर्थ है कि 2031 तक, हमें अपनी जनसंख्या का सही आकार पता चल जाएगा। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी।

जमीन के संग आसमां सुरक्षित है या नहीं?

विमान त्रासदी

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

हादसे- दर- हादसे। क्या जमीन क्या आसमां। पंचांग की भाषा में कहें तो गृह- नक्षत्र ठीक-ठाक चल रहे या नहीं? अहमदाबाद में 12 जून को दोपहर को घटित बड़े विमान हादसे ने विमान यात्रियों की सुरक्षित यात्रा पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) से लंदन के लिये उड़ान भरने से कुछ ही मिनट बाद हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों ने सोचा भी नहीं होगा कि यह यात्रा उनके जीवन की आखिरी उड़ान बन जायेगी। बल्कि कहें कि उन्हें कुछ सोचने का भी मौका नहीं मिला कि अगले क्षण क्या होने जा रहा है। दुर्घटना के कारणों की जांच के लिये एविएशन मिनिस्ट्री द्वारा गठित दल द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। बताया गया है कि इंटरनेशनल प्रोटोकॉल के हिसाब से ही जांच की जायेगी।विशेषज्ञों की एक समिति भी जांच करेगी। इसके लिये बोइंग कंपनी एयर इंडिया के संपर्क में है। वस्तु स्थिति जांच के परिणाम पर निर्भर है लेकिन यह तथ्य जरूर सामने आना चाहिये कि इतने अनुभवी पायलट के होते हुए और एयरपोर्ट से सारी जरूरी चैकिंग के बाद ही टेकऑफ करने वाले इस विमान के साथ ऐसा क्या घटा कि भयावह त्रासदी कुछ ही मिनट में हो गई।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पर लिखते वक्त मुझे बाद भारत में अबतक हुए तमाम बड़े हवाई हादसों का स्मरण हो आया। 1 जनवरी 1978 को एयर इंडिया के ही बोइंग 747 विमान के मुंबई से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद समंदर में गिरने की घटना का स्मरण हो आया। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 213 लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस दुर्घटना को तत्कालीन समय की सबसे बड़ी और दुखद घटना बताया गया था। मुंबई के नज़दीक समुद्र में घटित इस दुर्घटना पर भी मैंने उस समय एक अखबार में लिखा था। 1979 में ही पुणे- मुंबई के बीच इंडियन एयर लाइंस के एयरो यात्री विमान की भीषण दुर्घटना में विमान में सवार सभी 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 440 31 मई 1973 को दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जहाज पर सवार 65 लोगों में से 48 की मौत हो गई। मृतकों में प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ मोहन कुमारमंगलम भी शामिल थे। दुर्घटना ने भारतीय एयरपोर्ट्स पर बेहतर मौसम रडार की आवश्यकता को रेखांकित किया गया था।

12 नवंबर 1996 को हुई हवाई दुर्घटना भारत की सबसे विनाशकारी विमानन दुर्घटना है। इसमें 349 लोग मारे गए थे। यह त्रासदी तब हुई जब सउदीया फ्लाइट 763 और कजाकिस्तान एयरलाइंस की फ्लाइट 1907 हरियाणा में चरखी दादरी के पास हवा में टकरा गई थीं। दो प्लेन की हवा में हुई टक्कर की वजह कम्यूनिकेशन गैप थी। कजाख प्लेन का क्रू अपनी निर्धारित ऊंचाई से नीचे उतर आया था। घटना के बाद, भारत ने महत्वपूर्ण विमानन सुरक्षा उपाय पेश किए, जिसमें सभी वाणिज्यिक विमानों पर ट्रैफिक टकराव बचाव प्रणाली (टीसीएएस) की स्थापना को अनिवार्य करना शामिल है।

साल 2010 की घटना भी भुलाई नहीं जा सकती है। 22 मई, 2010 को एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 कर्नाटक के मंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय रनवे से आगे निकल गई। दुबई से आ रही बोइंग 737-800, टेबलटॉप रनवे से परे एक खाई में गिर गई और आग की लपटों में घिर गई, जिससे 158 लोगों की मौत हो गई। इस दुखद घटना ने प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान भारत के टेबलटॉप एयरपोर्ट्स और लैंडिंग प्रोटोकॉल की जांच बढ़ा दी गई थी।

अब गुरूवार को घटित अहमदाबाद की यह दुर्घटना सबसे भयावह और विमानन क्षेत्र की बड़ी त्रासदी के रूप में दर्ज होगी। गुरूवार 12 जून की दुर्घटना में इस आलेख को तैयार करते समय 241 लोगों की मौत की पुष्टि अधिकृत रूप से की गई है। घायल लोग जीवन के लिये संघर्षरत हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए फिलहाल कहा नहीं जा सकता कि मौतों की संख्या कहां तक पहुंच सकती है? इस दुर्भाग्यशाली उड़ान में 242 लोग सवार थे। इनमें 169 भारतीय, 53 इंग्लैंड के, 7 पुर्तगाल के तथा एक यात्री कनाडाई था। पायलट सुमित सभरवाल समेत 12 क्रू मेंबर सहित गुजरात के पूर्व मुख्य मंत्री विजय रुपाणी भी अपनी जान गंवाने वालों में शामिल हैं।

आश्चर्यजनक रूप से एक मात्र जीवित बचे यात्री विश्वास कुमार रमेश हैं जिन्होंने मौत के उस मंजर को अपनी आँखों से देखा और लोगों को पलक झपकते ही इतने वीभत्स रूप से जलकर मरते देखा जो अवर्णनीय है। जीवन के आगे एक-एक करोड़ की राशि दिये जाने की बात ज्यादा मायने नहीं रखती। घायल लोगों का मुफ्त इलाज भी उन जख्मों को नहीं भर सकता जिनमें घर परिवार उजड़ गये, परिजन एयरपोर्ट से विदा करके बाहर भी नहीं निकले होंगे और उधर लंदन में लोग अपनों के पहुंचने का कभी ना खत्म होने वाला इंतजार करते गहन शोक में डूब गये। ऐसी भयावह त्रासदी कि शवों की पहचान डीएनए टेस्ट से की जा रही और शव इस बुरी तरह से जल गये कि देखा नहीं जा सकता। चारों ओर रोंगटे खड़े करने वाले डरा देने वाले दृश्य।

विमान जिस जगह गिरा वह एयरपोर्ट के बाहरी हिस्से में स्थित मेघाणी नगर सिटी हास्पिटल और बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल था। वहां 27 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है जिनमें 5 डॉक्टर हैं। संयोग से उस वक्त वहां ज्यादा लोग मौजूद नहीं थे। विमान जिन पेड़ों से टकराया वे भी जल गये। आग इतनी भीषण थी कि पास जाना मुश्किल था। अभी भी कुछ लोग लापता बताये जा रहे हैं ।

हमारे यहां दुर्घटनाओं का आलम यह है कि कभी-कभी लगता है कि इंसान ना तो जमीन और सड़कों पर सुरक्षित है और ना ही रेल यात्रा और आसमान में तो इंसान करे तो क्या करे? क्या वह यात्राएँ ना करें। सुरक्षित यात्रा आज सबसे बड़ा मुद्दा है। पैदल चलने वाले को कब कोई अमीरजादा अपनी लग्जरी तेज रफ्तार गाड़ी से कुचल डाले कहा नहीं जा सकता। कब कोई अमीरजादे खुद भी दुर्घटना के शिकार हो जायें यह भी नहीं कहा जा सकता।

इस विमान दुर्घटना से देशवासी स्तब्ध हैं, निशब्द हैं और अवाक हैं। प्रभु असमय मौत का ग्रास बने लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर उनके परिजन को इस असह्य दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें यही प्रार्थना है। लेकिन साथ ही इस दुर्घटना के परिप्रेक्ष्य में सरकार , यात्रा चाहे सड़क की हो, रेल की या हवाई जहाज की, इन्हें और अधिक सुरक्षित तथा विश्वसनीय सेवाओं के रूप में सुधार लाकर लोगों, यात्रियों का विश्वास अर्जित करें।

9 फेरे के फेर में अब 'हनीमून'

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इन दिनों घटित घटनाओं को देखकर लगता है कि इस दुनिया से सती सावित्री की पावर या तो चुक गई है या फिर उस पावर पर किसी बाहरी हवा और बाधा का चक्कर लग रहा है। सती सावित्री माई तो काल से टकराकर अपने पति को वापस लेकर धरती पर आ गई थी। इतनी भयंकर पावर के चलते आजकल महिलाओं के वाकद्वंद्व में यहीं तो सुनने और सुनाने में आता है कि 'तू कौन सी सती सावित्री है?' सती सावित्री यानि की अपने पति की प्राण प्यारी, प्राण की पूर्ण निष्ठा से 'संरक्षक'।

यही वजह है कि कलयुग में भी महिलाएं वट सावित्री के पूजन में पेड़ के चारों ओर घूम-घूमकर अपने पति, फिर वह अनाचारी हो, व्यभिचारी हो, रोज सुरापान कर पत्नी के खानदान का ऐतिहासिक वर्णन करने वाला ही क्यों न हो, उसकी लंबी उम्र की कामना जरूर करती आ रही हैं। अब ये पता नहीं कि वे मन में कामना भी करती हैं या नहीं, लेकिन पेड़ के तने पर बंधे सूत के धागे तो इसी बात का प्रमाण देते हैं। कलयुग ने आने से पहले यह कभी नहीं सोचा होगा कि उसके कालखंड के इस हिस्से में जब आधुनिक युग में दूसरे के किए कराए पर कोई दूसरा ही श्रेय लेने लगेगा। लोग उसे ईश्वर से भी अधिक का दर्जा दे देंगे, तब उसी के आधुनिक काल खंड में पत्नियां, नवविवाहिताएं, प्रेमिकाएं आदि किस्म की महिला जीवात्माएं अपने पति को 'हलाक' करने में ही अपनी शान समझेगी।

दिन में कलयुग बहुत व्यथित दिखाई दिया। रात में उसके रोने की आवाज शिलांग होते हुए गाजीपुर तक पहुंच गई। उसने सरेआम ब्रह्माजी की कोर्ट में खड़े होकर इस तरह का दोष अपने पर न लेने की घोषणा कर दी। साथ ही चेतावनी भी दी कि चाहे किसी के चेहरे पर मुस्कान हो या न हो, लेकिन मुस्कान के कर्मों की सजा वह क्यों भुगते? नीले ड्रम से चली इस आधुनिक पति अंत परंपरा का खाई तक पहुंचने में किसी ने यह कसम क्यों खाई कि इसे रास्ते से ही हटाना पड़ेगा। वह तो राजा था। वह कहां सोनमों के रास्ते में आ रहा था। पथभ्रष्ट होकर तो खुद पहुंची और उसे रास्ते से हटा दिया। खैर, कलयुग ने कहा कि चाहे नीला ड्रम कांड हो, सांप कांड हो या फिर पति नाम के निरीह जीव को यूं खाई में पहुंचाना ही क्यों न हो। इन कांडों की वजह से पूरा ब्रह्मांड ही थू-थू कर रहा है। उधर, भगवान नारायण और महादेव ने भी इन घटनाओं पर सवाल उठाते हुए अपनी-अपनी 'शक्तियों' की ओर देखा। वे मुस्कान बिखेर रहीं थी। फिर उन्होंने ही रास्ता बताया कि आगामी सावों के मौसम में जब भी वैवाहिक वेदी पर कोई वर और वधु अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लें तो 7 के बजाय नौ फेरे लें। इसमें 7 फेरे तो वैवाहिक जीवन को सुचारू और सफलतम चलाने के लिए, आठवां पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण का वचन लेने के लिए तथा 9 और अंतिम फेरा केवल और वधु के लिए, जिसमें वह यह वचन ले कि वह कभी भी अपने पति से बिना पूछे 'हनीमून' पर जाने के लिए टिकट बुक नहीं करवाएगी।

अगर यह अधिक जरूरी लग रहा है तो पहले अपनी मां को अवगत कराएगी। उसे मैसेज कर उसका स्क्रीन शॉट अपनी सास को शेयर करेगी। पति को पूर्ण सुरक्षित वापस लाने का वचन पत्र भी वह अपने ससुर, ज्येष्ठ, देवर आदि को देगी। इसकी प्रमाणित प्रति सभी ग्रुपों में शेयर करेगी।

साथ ही यह भी 500 रुपए के स्टाम्प पर लिखकर देना होगा कि पति अंत के लिए सुपारी देने की राशि को उसी के एकाउंट से नहीं निकालेगी। यह राशि अपने घर से लाए दहेज, या पिता द्वारा दी एफडी से गुप्त दान करेगी। भाड़े के निशानेबाजों के बजाय कभी-कभी खुद भी प्रयास कर लिया करेगी। पुलिस थाने में यह भी सूचना देना होगी कि कब-कब उसके दिमाग के किस हिस्से में क्राइम पेट्रोल की तरह की कहानियां पनपती रहती है। अभी यह सब चल ही रहा था कि सोनम गिरफ्तार हो गई और मैं नींद से जाग उठा। दूर खड़ा कलयुग मुस्कान के साथ खड़ा था।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

भोपाल के पास कम से कम पुल तो है...

ये बात क़तई गलत। भाई लोग भोपाल के ऐशबाग मे बने नब्बे डिग्री कोण वाले ताजे ताजे पुल का रोना रो रहे है ? किसी को हावडा ब्रिज याद आ रहा है तो कोई इसकी तुलना चिनाब नदी के ब्रिज से कर रहा है। क्यों भाई ? आपको तो इस बात के लिए ऊपर वाले का शुक्रगुज़ार होना चाहिए कि आपके पास कम से कम पुल तो है।आमतौर पर पुल बनते हैं नदियां पार करने के लिए। हिंदुस्तान में सैकड़ों हज़ारों नदियां अब भी ऐसी जिन्हें पार करने के लिए तैरना सीखना जरूरी। आपको बिना नदी के पुल उपलब्ध है और आप हाय तौबा मचा रहे हैं।

अब आइए नब्बे डिग्री वाले कोण की बात पर। इसे बनाने वाले इंजीनियर को इस बात का मलाल कि लोगों ने गणित में दिलचस्पी लेना बंद कर दी है। लोग पॉलिटिक्स और क्राइम के अलावा और कुछ पढ़ना सुनना ही नही चाहते। एक हम लोग थे जिन्हें त्रिकोण समकोण सहस्त्रबाहु रेखा बिंदु सभी की जानकारी थी। गणित जीवनोपयोगी। गणित नही पढ़ेंगे लोग तो कोई भी लूट लेगा आपको। ऐसे में किसी परोपकारी इंजीनियर ने यदि आपकी गणित की ये क्लॉस लगाई है तो इसमें बुरा क्या है ?

मुमकिन है ये पुल आपको सड़क पर चलने की तमीज़ सिखाने के लिए बनाया गया हो। लोग आँख बंद कर ड्राइव करते हैं। नशे मे होते है बहुत बार। मोबाइल मे घुसे रहते हैं। ये खुद भी मरते है दूसरों को भी मारते हैं। कैसे ठीक किया जाए ऐसे लापरवाह लोगों को ? ऐसे मे ऐसे नब्बे डिग्री वाला पुल जरूरी। जो यहां ठुकेगा वो यदि बचेगा तो बची ज़िंदगी कायदे से तमीज़ से ड्राइव करेगा और यदि निपट गया तो दूसरे लोग उसे याद कर अच्छे ड्राइवर बनेंगे।

पुल शरीफ लोगों जैसे होते हैं ,इसलिए उनकी इज़्ज़त नही की जाती। पुल जोडने का काम करते आए हैं अब तक। लोग बिना अहसान माने गुजर जाते है उन पर से। हम उसके भर हाथ जोड़ते हैं जो हमारा कुछ बिगाड़ सकता हो। शनि की इज्जत गुरू से ज्यादा। अब ये पुल तोड़ेगा आपको और अपनी और दूसरे पुलों की इज्जत करवाएगा लोगों से। और फिर पब्लिक इसे देवता मान कर पूजने भी लगें तो कोई बडी बात नही होगी।

ये पुल जैसा भी है हमारा है। टेढ़ा है पर मेरा है। नालायक औलाद का रोना रोएँगे तो जगहँसाई के सिवाय और क्या हाथ लगेगा ? आपको निभाना और सब्र करना सीखना चाहिए।सब्र का फल मीठा होता है। पीसा की झुकी हुई मीनार समझिए इसे। क्या पता कल दुनिया भर से लोग इस पुल को देखने आने लगें और शहर की आमदनी और रौनक बढ़ जाए।

और फिर ये पुल नहीं ज़िंदगी है। ज़िंदगी ऐसे ही तो अप्रत्याशित होती है। अचानक कब कहाँ मुड़ जाए। कब कहाँ पहुँचा दे। कब टपका दे। ये पुल दर्शन है दरअसल। आदमी पानी का बुलबुला भर। सो भगवान भरोसे रहिए। उसका हाथ सर पर है तो हम निश्चिंत हैं। वो रूठ गया तो उसकी मर्जी। ऐसे मे आप निकल गए तो पुल को कोसने या उसे बनाने वाले का मजाक बनाने की जरूरत नही। ज़िंदगी भवसागर है और पुल पार करवाने के लिए ही होते है और ये मुझे पूरा भरोसा है कि ये काम ये पुल बखूबी करेगा।

जयंती पर विशेष

चित्रा माली

लेखक महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा के कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र की प्रभारी हैं।

तीसरी दुनिया का नायक अर्नेस्टो 'चे' गुएवारा

अर्लेक्सिस कोर्डा के द्वारा खींची गई 'चे' की तस्वीर जिसमें वे एक फौजी कैप पहने हुए हैं और हल्की-बेग़री दाड़ी में दिख रहे है,क्रांति और विद्रोह की कालजयी छवि के रूप में सारी दुनिया में स्वीकार की जा चुकी है। 'चे' के समर्थक युवा इसी तस्वीर के टीशर्ट और बैग का इस्तेमाल भी बड़ी शिद्दत से करते हैं। 'चे' के प्रति एक अलग प्रकार के लगाव को महसूस किया जा सकता है।समूचे विश्व में रैडिकल और विद्रोही युवाओं के आइकॉन अर्नेस्टो 'चे' गुएवारा का जन्म 14 जून 1928 को अर्जेंटीना के रोजारियो नामक स्थान पर हुआ था। बचपन में ही 'चे' दमा रोग के शिकार हो गए थे जिसके खिलाफ संघर्ष करते करते उनके भीतर बाहरी बाधाओं से संघर्ष करने की क्षमता का विकास हो गया था। 'चे' पर उनके माता-पिता का भी बहुत प्रभाव था। उनकी मां सेलिया अर्जेंटीना कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्य थी। पार्टी से जुड़ी होने के कारण पार्टी की बैठकें अक्सर 'चे' के घर पर हुआ करती थी। इन बैठकों ने 'चे' के विचारों को वामपंथी दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'चे' मार्क्सवादी विचारक समर्पित क्रांतिकारी और छापामार युद्ध के सिद्धांतकार थे। 'चे' ने अपनी 'मोटर साइकिल डायरीज' में लिखा है कि कैसे वे युवावस्था में अपने एक दोस्त के साथ लैटिन अमेरिका के देशों की यात्रा पर निकल गए थे। वे आगे लिखते हैं कि 1952 की इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत तो नए अनुभवों की तलाश के लिए हुई थी लेकिन यात्रा की इस प्रक्रिया ने लैटिन अमेरिका की क्रूर हक़ीक़त से भी रूबरू करवाया। पेरू के मार्क्सवादी डॉक्टर ह्यूगो पेस्के के दबाव में 'चे' ने कड़ी मेहनत करके अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी की। इसके तुरंत बाद 1953 में 'चे' ने अपनी दूसरी यात्रा की शुरुआत की जो दिसंबर में ग्वाटेमाला में खत्म हुई। वहां से 'चे' ने अपने अंदर एक तरह का राजनीतिक बदलाव महसूस किया। इस समय यह देश व्यापक सामाजिक और राजनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रहा था। ग्वाटेमाला से 'चे' मैक्सिको सिटी गए और लातीनी अमेरिका के बहुत से प्रवासियों से मिले। जुलाई 1955 में उनके एक क्यूबाई दोस्त ने उनकी मुलाकात फ़िदेल कास्त्रो के भाई राउल कस्त्रों से करायी। 'चे' और राउल कस्त्रो दोनों इस बात पर सहमत थे कि इस क्षेत्र में सिर्फ सैन्य कार्यवाही द्वारा ही सत्ता हासिल की जा सकती है। 'चे' ने ग्वाटेमाला के अपने अनुभवों से यही नतीजा निकाला था। फ़िदेल कस्त्रो से मुलाकात के बाद उनके बीच भी सैन्य कार्यवाही पर सहमति बनी। 'चे' ने 'हिल्डा' की प्रेरणा से मार्क्सवाद का अध्ययन करना शुरू कर दिया था। फ़िदेल से मिलने के बाद 'चे' का उनके साथ एक तरफ तो गहरा राजनीतिक जुड़ाव कायम हुआ,लेकिन साथ में एक विचारधारात्मक अंतर भी बना रहा। फ़िदेल एक क्रांतिकारी राष्ट्रवादी थे जो अपनी प्रेरणाएं क्यूबाई राष्ट्रवाद के जनक और सिद्धांतकार 'जोसे मार्ती' से लेते थे। लेकिन 'चे' खुद को कम्युनिस्ट घोषित करने के बाद भी राजनीतिक सिद्धांत की पड़ताल कर रहे थे। फ़िदेल के पास इन चीजों के लिए धैर्य नहीं था। 'चे' और फ़िदेल दोनों इस बात पर एकमत थे कि क्रांति में समर्पित क्रांतिकारियों की भूमिका बेहद अहम होती है। फ़िदेल क्यूबाई कम्युनिस्ट पार्टी और उसकी नीतियों पर अपने संदेह के कारण इस नतीजें पर पहुंचे थे और 'चे' ग्वाटेमाला के अनुभवों के कारण। 2 दिसंबर 1956 को 'चे' और फ़िदेल 82 साथियों के दल के साथ गुपचुप तरीके से क्यूबा पहुंचे। लेकिन वहां जे-26-एम का सहयोग न मिल पाने के कारण ये लोग क्यूबा के शासक बतिस्ता के सैनिकों के हमले का शिकार हुए। इस दल के सिर्फ 19 सदस्य ही जीवित बच पाए। फ़िदेल और 'चे' अपने बचे-खुचे साथियों के साथ अलग-अलग दिशाओं में जंगल की ओर भागे और 15 दिन बाद मिलकर नए सिरे से छापामार दस्ता तैयार करने का निर्णय लिया। यहां गौर करने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह थी कि 'चे' के पास कोई फौजी प्रशिक्षण नहीं था। लेकिन अपने साहस और अनुशासनबद्धता के कारण जल्दी ही उन्होंने केंद्रीय सैन्य भूमिका हासिल कर ली। 1957 के शुरुआती हफ़्तो में किसानों के जुड़ने के कारण इस विद्रोही सेना का विस्तार हुआ। फ़िदेल के संगठन 'जे-26-एम' की गुरिल्ला युद्ध रणनीति की तरफदारी 'चे' ने भी की थी। सेना संगठित करने और दूसरी जगहों से लोगों को गुरिल्ला दस्ते में शामिल करने में 'चे' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। क्यूबा की क्रांति के बाद 'चे' एक प्रमुख क्रांतिकारी नायक के रूप में उभरे। 'चे' को अनुशासन, वचनबद्धता और साहस के प्रतीक के रूप में देखा गया। क्रांति के प्रति किसानों के

समर्थन का सुनिश्चय करने के लिए 'चे' ने खेतिहर सुधारों पर बहुत ज्यादा जोर दिया। वे जमीन का समाजीकरण भी करना चाहते थे। राजनीतिक रूप से 'चे' की रुचि समाजवादी परंपरा में थी। 'चे' आरंभ से ही क्यूबा की क्रांति को समाजवादी प्रक्रिया के रूप में देखते थे। 'चे' की मान्यता थी कि विद्रोही सेना और उसके प्रमुख कैडर क्रांति के मुख्य कर्ता है,वे सेना को वैगार्ड या हरावल दस्ते के रूप में देखते थे, हालांकि कम्युनिस्ट परंपरा में यह भूमिका क्रांतिकारी पार्टी को दी जाती है। 'चे' अमेरिका की सरकार को स्पष्ट रूप से क्रांति का शत्रु मानते थे। अमेरिकी सरकार द्वारा क्यूबा की नाकेबंदी की आशंका पर फ़िदेल के कहने पर 'चे' ने 14 देशों की यात्रा की और क्यूबा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाया। अक्टूबर 1962 के मिसाइल संकट ने क्यूबा के प्रति सोवियत संघ के समर्थन को लेकर फ़िदेल और 'चे' दोनों ही आशंका से भर उठे थे। 'चे' ने सोवियत संघ पर निर्भरता और सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा समाजवाद की ओर संक्रमण की अर्थवादी व्याख्या का विरोध किया था। 'चे' ने दो स्तरीय कार्यक्रम अपनाने का सुझाव भी दिया था। पहला समाजवादी चेतना की बढ़ोतरी जिसमें भौतिक सुविधाओं के बजाए विचारों पर ज्यादा जोर देते हुए स्वैच्छिक श्रम की संस्कृति का विकास किया जाए। दूसरा महाद्वीपीय स्तर पर किसानों के समर्थन के आधार पर गुरिल्ला संघर्ष छेड़ा जाए। क्यूबा में क्रांति के बाद 'चे' निर्माणाधीन समाजवादी समाज और राज्य की केंद्रीय हस्ती बन कर उभरे,लेकिन जल्दी ही यह प्रकिया उनके क्रांतिकारी मिजाज को नाकाफी लगने लगी। उन्होंने पूरे लैटिन अमेरिका में साम्राज्यवाद के खिलाफ कई नए मोर्चे खोलने का आव्हान किया था।

क्यूबा की क्रांति के बाद क्यूबा को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक भारत भी था। क्यूबा की क्रांति के बाद,फिदेल कास्त्रो ने 'चे' को दो सप्ताह की यात्रा पर भारत भेजा था। 'चे' 30 जून 1959 को नई दिल्ली पहुंचे थे। 'चे' ने अगले दिन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ मुलाकात की। नेहरू ने 'चे' को एक अखरोट की खुरपी में हाथीदांत से बने हैंडल वाली खुकरी भेंट की। वर्तमान में यह खुखरी हवाना (क्यूबा की राजधानी) में संरक्षित है। नेहरू से मुलाकात के बारे में 'चे' ने कहा था कि नेहरू हमसे एक पूर्व-परिचित पितामह की तरह मिले। वे क्यूबा के लोगों के समर्पण और संघर्ष में विशेष रुचि रखते है। दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने यथाशीघ्र राजनयिक मिशन स्थापित करने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई। 'चे' और क्यूबा प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय रक्षा मंत्री वीके कृष्ण मेनन,वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों एवं योजना आयोग के सदस्यों के साथ भी मुलाकात की। उन्होंने लघु-कुटीर उद्योग प्रदर्शनी ओखला औद्योगिक क्षेत्र, कृषि अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला का भी दौरा किया। 'चे' ने नई दिल्ली में चिली के राजदूत के साथ मुलाकात की और ऑल इंडिया रेडियो के पत्रकार केपी भानुमति को साक्षात्कार भी दिया। 'चे' भारत से रवाना होने से पहले कोलकाता भी गए थे। 'चे' हिंसक संघर्ष को प्राथमिकता देने वालों में से थे। इसके बावजूद भी वे महात्मा गांधी के प्रशंसक थे। क्यूबा लौटने पर,'चे' ने लिखा,भारत में,युद्ध शब्द लोगों की भावना से इतना दूर है कि उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपने संघर्ष के कठिनतम क्षण में भी इसका इस्तेमाल नहीं किया। सामूहिक असंतोष की अहिंसात्मक अभिव्यक्ति के लिए किए गए महान आंदोलनों ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को उस भूमि को हमेशा के लिए छोड़ने पर मजबूर कर दिया,जिसे उसने पिछले डेढ़ सौ साल तक अपना गुलाम बना रखा था। जून 1960 में प्रकाशित अपने लेख ऑन सेक्रीफाइस एंड डेडीकेशन में 'चे' ने 'नए आदमी' का विचार पेश किया। नैतिक बल की खुराक पर चलने वाले इस नए आदमी के लिए छापामार युद्ध समर्पण और फौजी अनुशासन ही कम्युनिस्ट राजनीति का पर्याय है। 'चे' शहरों में चलने वाले आंदोलनों और मजदूर वर्ग की कार्यवाहियों को महत्व के लिहाज से दूसरे दर्जे का मानते थे। उनका विचार था कि क्रांतिकारी संघर्ष की बागडोर किसानों के हाथों में नहीं होनी चाहिए। किसानों को इस संघर्ष का समर्थन करना चाहिए और क्रांति के संचालन की जिम्मेदारी गुरिल्ला कम्युनिस्टों के पास रहनी चाहिए। इसी वर्ष प्रकाशित उनकी किताब गुरिल्ला वारफेयर में भी 'चे' अनुशासन और आदेश पालन करने पर जोर देते हैं। आंतरिक लोकतंत्र के आधार पर समाजवाद की रचना करने के स्थान पर उनकी मान्यता थी कि आदेश और नियंत्रण के जरिये यह परियोजना पूरी की जा सकती है। 'चे' का स्पष्ट मत था कि क्रांतिकारी सामाजिक बदलाओं में मुख्य भूमिका निभाते हैं ना कि वे सामाजिक शक्तियां जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। बोलीविया में एक विफल क्रांतिकारी मुहिम के बाद सीआईए के एजेंटों द्वारा 'चे' की हत्या कर दी गई। हत्या के इतने वर्षों बाद भी 'चे' समूची दुनिया के वामपंथियों और विद्रोही नौजवानों के बीच रैडिकलिज्म के प्रतीक बने हुए हैं।

रक्तदान दिवस

वैभव

थमती जिंदगियों को रक्त का सहारा देता रक्तदीप

आज विश्व रक्तदान दिवस है। हम अक्सर रक्तदान की अपील सुनाई देती है लेकिन बहुत कम लोग हैं जो इस अपील पर ध्यान देते हैं। और भी कम लोग हैं जो रक्तदान करते हैं। वे तो और भी कम हैं जो लगातार रक्तदान करते हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी आवश्यक मात्रा में रक्तदान नहीं हो पाता है और इस कारण हजारों जिंदगियां मौत के संकट को झेलती है। ऐसे में हमें याद आते हैं रक्तदीप के नाम से प्रसिद्ध इंदौर के दीपक विभाकर नाईक। वे विगत 35 वर्षों से यथा अंतराल सतत रक्तदान करते आ रहे हैं। वे ऑन पेपर अब तक 142 बार पूर्ण रक्तदान और 7 बार प्लेटलेट्स दान कर चुके है। कई बड़े सम्मान प्राप्त कर चुके दीपक को हाल ही में रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन अयोध्या और मेजर ध्यानचंद खेल उत्थान समिति उत्तरप्रदेश के द्वारा राष्ट्रीय सेवारत्न सम्मान हासिल हुआ है जिसे दीपक अपनी सकारात्मक सामाजिकता का सबसे बड़ा प्रोत्साहन बताते है।

तथ्य बताते हैं कि दीपक अपने सैकड़ों साथियों के माध्यम से 45 हजार से भी अधिक जरूरतमंद लोगों को रक्त उपलब्ध करवा चुके हैं। कोरोनाकाल में इनके समूह के 150 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया था।दीपक और इनकी पत्नी अनन्या ने भी पहले कोरोनोकाल में साथ-साथ रक्तदान किया था।

रक्तदान हेतु प्रोत्साहित करने की भी दीपक की अपनी कला है। वे स्टीकर,बुकमार्क,आलेख,सोशल मीडिया,वीडियो रील आदि के माध्यम से प्रचार कर लोगों को प्रोत्साहित करते हैं।उनके अपने घर पर रक्तदान से सम्बद्ध एक अनूठी तरह की वीथिका भी बनी हुई है, जो कि संपूर्ण भारत में अपने आप में अलहदा है।अलावा टायर,डिब्बों, मिट्टी के पात्र आदि जैसी अनेक अनुपयोगी वस्तुओं को भी रचनात्मक तरीके से कलात्मक स्वरूप में परिवर्तित कर उस पर रक्तदान जागरूकता का संदेश देते है।अपनी शर्ट की जेब पर हमेशा बी पॉजिटिव का

बैच लगाकर रखते है। यही नहीं,अपने हेलमेट और कार पर भी रक्तदान से संबद्ध प्रेरक संदेश लिखा रखे है।रक्तदान के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से इनकी पुस्तक वक्त पर रक्त भी प्रकाशित हो चुकी है।

दीपक सामाजिक मंचों,शैक्षणिक संस्थानों व कॉर्पोरेट क्षेत्र में प्रेरक वक्ता के रूप में रक्तदान के प्रति जनचेतना का कार्य करते है। साथ ही आकाशवाणी के माध्यम से भी रक्तदान के प्रति अपनी बात कहते है। यह और भी अनुकरणीय है कि उनकी जीवनसंगिनी अनन्या नाईक भी नियमित रक्तदाता है। उनकी बेटी अनावि भी 18 वर्ष की उम्र से नियमित रक्तदान कर रही है।

दीपक की अन्य अनोखी और मिसाल सेवा है रास्ते में नंगे पांव दिखाई देने वाली गरीब बच्चियों को अपने बैग में से निकालकर चप्पल पहनाते है।20 वर्षों में अब तक वे 14000 से अधिक बच्चियों को चप्पल पहना चुके है।इसके साथ ही वे शासकीय व अन्य साधारण व्यवस्था वाले विद्यालयों के बच्चों को उनकी जरूरत अनुरूप शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करवाते है।

इतने वर्षों से रक्तदान के प्रति नियमित कीर्तिमान को दीपक ईश्वर की कृपा और अपने माता - पिता का आशीर्वाद ही मानते है। सहजता से इन सभी मान-सम्मानों को वे अपने माता-पिता को समर्पित करते है। देश के युवाओं को संदेश देते हुए दीपक एक बात कविता के रूप में कहते है-

जिंदगी बहुत छोटी है दोस्त,
इसे बड़ी करने का
बस एक ही तरीका है-
मानव मन होने के नाते
कुछ तो ऐसी निःस्वार्थ
निशानी छोड़िए कि लगे आप
उस जीवनपथ से गुजरे है।
मौक़ा दीजिये अपने खून को
किसी की रगों में बहने का,
ये लाजवाब तरीका है
कई जिस्मों में ज़िंदा रहने का।

विश्व रक्तदान दिवस

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रक्त की हर बूंद में छिपी होती है किसी घर की मुस्कान

जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

रक्तदान को पूरी दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढ़ेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं किन्तु अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक रूप से सफाई होती है

और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लड़ने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है।

जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा 'रक्तदान दिवस' मनाया गया था, तभी से यह दिन 'रक्तदान' के नाम कर दिया गया। विश्व रक्तदान दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। हमारे शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और यदि हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात् 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है जबकि प्लेटलेट्स केवल 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं।

रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें। जब भी रक्तदान करें, उससे कुछ समय पहले और कुछ समय बाद तक पर्याप्त पानी पीएं, भोजन में हरी सब्जियां तथा आयरन व विटामिन से भरपूर पौष्टिक आहार लें लेकिन रक्तदान से पहले जंक फूड, अधिक वसायुक्त भोजन के अलावा धूम्रपान, मद्यपान इत्यादि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करने से बचें। शराब पीते हैं तो 2-3 दिन पहले शराब का सेवन बंद कर दें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है किन्तु सिर्फ 75 लाख यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। देश की कुल आबादी के लिहाज से देखें और यह मानकर चलें कि एक व्यक्ति साल में केवल एक बार ही रक्तदान करता है तो भी इसका अर्थ है कि महज आधा फीसदी लोग ही रक्तदान करते हैं। यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाए। लोगों को समझाया जाए कि रक्तदान करने से उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता बल्कि अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। स्वैच्छिक रक्तदान कर किसी की जान बचाकर जहां मानसिक खुशी मिलती है, वहीं रक्तदान करने वाले व्यक्ति का एक रक्तदाता कार्ड भी बना दिया जाता है, जिसका लाभ यह होता है कि यदि उसे या उसके किसी परिजन को सालभर के अंदर कभी रक्त की जरूरत पड़ जाती है तो वह इस रक्तदाता कार्ड के जरिये एक यूनिट रक्त ब्लड बैंक से आसानी से प्राप्त कर सकता है।

नाले में गिरी बाइक, युवक की मौत

बैतूल। आमला में नाहिया निवासी 20 वर्षीय कमलेश की सडक़ दुर्घटना में मौत हो गई। कमलेश अपने भतीजे को बाइक से तिरमहु गांव छोडऩे गया था। वापसी में रास्ते में पडऩे वाले नाले में उसकी बाइक फिसल गई। स्थानीय लोगों ने उसे घायल अवस्था में देखा और तुरंत परिजनों को सूचित किया। प्राथमिक उपचार के लिए कमलेश को आमला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे रात में बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर कर दिया गया। लेकिन बुधनी के पास एंबुलेंस में ही उसकी मौत हो गई। कमलेश आर्मी में भर्ती की तैयारी कर रहा था। डॉक्टर्स के अनुसार, दुर्घटना में लगी अंदरूनी चोटों के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर ने किसान को घसीटा, पैर कटकर अलग

बहन का भी पैर फैक्कर, भांजा घायल

बैतूल। मुलताई-नागपुर हाईवे पर बाइक सवार तीन लोगों को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में घाटबिरोली निवासी योगेश जगदेव (35) का पैर कटकर अलग हो गया। घटना वीआईपी स्कूल के पास शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि योगेश को ट्रैक्टर 20 फीट

तक खींचते हुए ले गया, जिससे उसका पैर कटकर अलग हो गया। उनकी दूर की बहन मोना डोंगरे (35) का पैर टूट गया। उनके बेटे 9 साल के दीपांशु को सिर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर गलत दिशा से आ रहा था और बहुत ही तेज गति में था। तीनों बाइक सवार घाटबिरोली से मुलताई आ रहे थे। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को पहले मुलताई के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया। घायल मोना और योगेश दूर के भाई-बहन हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया के अनुसार, आरोपी की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गन्ना कटाई की मजदूरी नहीं मिलने पर मजदूरों ने श्रम अधिकारी से की शिकायत

तीन माह की मजदूरी 1 लाख से अधिक, अब तक नहीं मिला पैसा

बैतूल। ग्राम पंचायत मलाजपुर और कुटकुही तहसील चिचोली के आदिवासी मजदूरों ने गन्ना कटाई की मजदूरी नहीं मिलने की शिकायत जिला श्रम अधिकारी से की है। युवा आदिवासी विकास संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने के नेतृत्व में मजदूरों ने शुक्रवार को जिला श्रम अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान राहुल कासदे, सुखवती परते, दीपक कुमरे, रामरती परते, सुनीता परते, जयवंती परते, नबिया, सुम्मो और अनिता कमलती मौजूद रहे। मजदूरों ने बताया कि वे सभी ग्राम मलाजपुर निवासी मयूर यादव पिता इन्द्रसेन यादव के खेत में गन्ना कटाई का काम करने तीन माह तक जाते रहे। मजदूरी की तय राशि प्रतिदिन 300 रुपए थी, लेकिन आज तक इन मजदूरों को उनका मेहनताना नहीं मिला है। मजदूरों को काम पर ले जाने वाला व्यक्ति शंकर यादव था। मजदूरों का कहना है कि शंकर यादव ने भरोसा दिलाया था कि यदि मयूर यादव पैसा नहीं देगा, तो वह स्वयं मजदूरी का भुगतान करेगा। लेकिन अब दोनों ही व्यक्ति मजदूरी देने से साफ इंकार कर रहे हैं और मजदूरों को टालते हुए कभी आज, कभी कल देने की बात कहकर बहाने बना रहे हैं। मजदूरों ने बताया कि चार माह से वे लगातार अपनी मजदूरी मांग रहे हैं लेकिन मयूर यादव और शंकर यादव बार-बार टालमटोल कर रहे हैं। अब तो खुलेआम कहने लगे हैं कि जो करना है कर लो, मैं पैसा नहीं दूंगा। इस रवैये से मजदूरों की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है।

शासन ने स्कूल बसों के संचालन हेतु जारी किए सख्त निर्देश

नियम विरूद्ध स्कूल बसों का संचालन किया तो होगी कार्यवाही

संजय द्विवेदी, बैतूल। स्कूल बस चालकों के लिए सरकार ने सख्त आदेश जारी किये है। जिसमें नियम के विरुद्ध कोई भी स्कूल बसों का संचालन नहीं कर पाएगा। राज्य में नया सत्र शुरू होने में अभी 5 दिन का समय बाकी है और सरकार ने कहा है कि सभी स्कूल बस संचालक अपने बसों को ठीक करवा लें, अन्यथा उन पर कड़ी कार्रवाई होगी। दरअसल स्कूल खुलते ही परिवहन विभाग के द्वारा नियमित जांच अभियान चलाया जाएगा और अगर कोई भी बस नियम के विरुद्ध मिली, तो उस पर कार्रवाई होगी। बता दे कि 16 जून से स्कूलों की शुरूआत हो जाएगी। स्कूल खुलने के पहले निजी स्कूलों को स्कूली बसों के संचालन के संबंध में दिशा निर्देश दिए है। देखने में आता है कि कई बार निजी स्कूल संचालक नियमों को ताक पर रखते कंडम स्कूली बसों का संचालन करते हैं, जिससे दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। कई बार बस हादसे भी सामने आ चुके हैं। हादसों को ध्यान में रखते हुए इस बार शासन ने स्कूली बसों को लेकर कड़े निर्देश जारी किए है। बसों का संचालन करने के लिए शासन द्वारा जारी किए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। परिवहन विभाग ने स्कूलों को स्कूली बस के संचालन को लेकर चेक लिस्ट फार्म भी दिए है। इस फार्म के माध्यम से स्कूल बसों के संबंध में जानकारियां मांगी गई है और नियमों की जानकारी देकर इसे पालन करने की हिदायत दी गई है ।

बसों में होने चाहिए स्पीड गवर्नर और अग्रिशमन यंत्र

जिला परिवहन अधिकारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि जिले के सभी निजी स्कूल, जिनके द्वारा स्कूली बसों का संचालन किया जा रहा है। उन स्कूल संचालकों को चेक लिस्ट फार्म भेजा गया है। इस फार्म के माध्यम से स्कूल संचालकों को स्कूली बसों का फिटनेश, परमिट, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी कैमरे, अग्रिशमन यंत्र जैसे महत्वपूर्ण जानकारी फार्म में भरकर परिवहन विभाग को देना होगा। किसी ने भी गलत जानकारी दी और जांच में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

ड्राइवर-कंडक्टर का पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी

स्कूली बसों के ड्राइवर और कंडक्टर का पुलिस वेरिफिकेशन करना अनिवार्य होगा। चालक और कंडक्टर को प्रशिक्षण भी देना होगा। स्कूल संचालकों को यह भी निर्देश जारी किए है कि प्रतिदिन ड्राइवर और कंडक्टर का ब्रीथ एनालाइजर टैस्ट करते रहे, कोई भी चालक शराब के नशे में पाया जाता है तो उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इस बार स्कूली बसों के संचालन को लेकर परिवहन विभाग ने कड़े निर्देश दिए है। जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्कूल का संचालन शुरू होने के बाद परिवहन विभाग द्वारा समय-समय पर स्कूली बसों की चेकिंग की जाएगी। चैकिंग के दौरान बसों के संचालन में कमी मिलती है तो जुर्माने और बस जप्ती की कार्रवाई होगी।

इन नियमों का भी करना होगा पालन

स्कूल संचालकों को बस के संचालन के लिए शासन द्वारा जारी नियमों का पालन करना होगा। जिसमें स्कूल बस का रंग पीला होना चाहिए और उस पर स्कूल बस या ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना चाहिए। साथ ही, बस के आगे और पीछे स्कूल का नाम, पता और वाहन प्रभारी का मोबाइल नंबर भी स्पष्ट रूप से लिखा हो। बस ड्राइवर के पास कम से कम 5 साल का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। बस में स्पीड गवर्नर, फर्स्ट-एड बॉक्स, अग्निशमक यंत्र और जीपीएस डिवाइस होना अनिवार्य है। बस में सीट के नीचे बस्ते रखने की जगह, कंडक्टर की सीट, ताले युक्त दरवाजे, सीसीटीवी कैमरे और इमरजेंसी गेट होना चाहिए। बस में शीशे पर रंगीन फिल्म या पर्दे नहीं लगाए जा सकते, खिड़कियों पर जालीदार ग्रिल होनी चाहिए, और स्कूल को यह शपथ देना होगा कि बस को खतरनाक तरीके से नहीं चलाया जाएगा।

इनका कहना है -

बसों के संचालन को लेकर शासन के जो नियम है, उन नियमों का पालन करने के लिए सभी स्कूल संचालकों का कहा गया है। स्कूल खुलते ही स्कूल बसों की जांच का अभियान भी चलायेगे। जिस भी बस का नियम विरूद्ध संचालन पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाही करेगे।

- अनुराग शुक्ला,
जिला परिवहन अधिकारी, बैतूल

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, जामली में अवैध सागौन लकड़ी की जब्त

खेड़ी सावलीगढ़ रेंज के ग्राम जामली में वन विभाग की छापामारी

बैतूल। पश्चिम बैतूल वनमंडल के अंतर्गत खेड़ी सावलीगढ़ परिक्षेत्र के ग्राम जामली में वन विभाग ने एक सटीक और सुनियोजित छापामारी अभियान चलाया। यह अभियान विश्वसनीय सूचना पर आधारित था, जिसके तहत दो टीमों का गठन कर छापेमारी की गई। पहली टीम ने शोभन नामक व्यक्ति के घर की तलाशी ली, जहां अवैध रूप से सागौन लकड़ी से बनी खिड़कियां और दरवाज़ों की चौखटें फिट की जा रही थीं। दूसरी टीम

ने आरोपी शोभन के मुख्य निवास पर मारा छापा, जहां से कुल 0.382 घन मीटर सागौन लकड़ी बरामद की गई। इसमें से 0.196 घन मीटर लकड़ी जब्त की गई, जबकि 0.186 घन मीटर लकड़ी आरोपी शोभन की सुपुर्दगी में दी गई। पूछताछ के दौरान आरोपी शोभन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जो यह सिद्ध कर सके कि उक्त लकड़ी वैध रूप से प्राप्त की गई थी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि लकड़ी का कटाव अवैध था और उसे बिना किसी प्रमाण के बाजार में बेचा जा रहा था। इस मामले में भारतीय वन अधिनियम, 1927 और मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम, 1984 के अंतर्गत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर प्राथमिक सूचना पत्र जारी किया गया है। यह छापामारी मुख्य वन संरक्षक, बैतूल सर्कल, कु. बासु कन्नौजिया और वनमंडलाधिकारी पश्चिम बैतूल, वरुण कुमार यादव के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्रवाई को साऔलीगढ़ रेंज की टीम ने तत्परता और प्रभावी तरीके से अंजाम दिया।

ठेकेदार से नहीं हो सका स्लुइस गेट निर्माण का अनुबंध

वर्षा काल के लिए सुरक्षा के उपाय आवश्यक, नव निर्माण के लिए अब समय नहीं शेष

बैतूल/मुलताई। ताप्ती सरोवर एवं शनि सरोवर मुलताई के मध्य बने जल निकासी मार्ग स्लुइस गेट निर्माण के लिए निकाली गई निविदा स्वीकृत होने के बावजूद ठेकेदार एवं नगर पालिका का अनुबंध नहीं हो पाया है। जिसके चलते स्लुइस गेट की समस्या का समाधान इस वर्ष भी नहीं हो सकेगा। निविदा स्वीकृत के बावजूद ठेकेदार द्वारा अनुबंध नहीं करने पर नगरपालिका ठेकेदार की अमानत राशि जप्त कर पुन- निविदा आमंत्रण की कार्रवाई कर सकती है। इधर स्लुइस गेट पूरी तरीके से खराब हो चुका है। जानकारों की माने तो गेट पर बनाई गई पुलिया का निचला भाग जर्जर हो गया है। गेट खराब होने के कारण ताप्ती का जल स्तर बढऩे के बाद यहां से निरंतर पानी का रिसाव होते रहता है। जलमार्ग के अंदर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई है, जहां पानी ने अपना रास्ता बना लिया है। ताप्ती सरोवर एवं शनि सरोवर नगरीय क्षेत्र के जल स्त्रोतों का आधार माने जाते, किंतु ताप्ती सरोवर को शनि सरोवर से जोडऩे वाला स्लुइस गेट खराब होने से होते जल रिसाव के चलते ताप्ती सरोवर का जल स्तर असमय ही साथ छोड़ देता है और जिसका प्रभाव नगर के जल स्त्रोतों पर भी पड़ता है। बीते वर्ष जलमार्ग की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सिंचाई विभाग के एसडीओ एवं वर्तमान कार्यपालन यंत्री सीएल मरकाम, उपयंत्री सीबी पाटेकर ओएनडम के अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के बाद इसे अत्यंत जर्जर बताते हुए जमीनी सतह से पुन- निर्माण कराने और इसे शीघ्र प्रारंभ करने का सुझाव दिया था, किंतु दो वर्ष होने के बावजूद भी स्लुइस गेट का निर्माण प्रारंभ नहीं हो सका है और इस वर्ष भी निवेदन निकाली गई किंतु वर्षा काल समीप होने के कारण इसका कार्य किया जाना संभव नहीं है।

पुलिया का ऊपरी भाग हुआ खस्ताहाल

जल निकासी द्वार के ऊपर बनी पुलिया का निचला भाग खोकला है, जो पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया है। पुलिया के टॉप ने लोहा छोड़ दिया है, जो कभी भी ढह सकता है। वर्षा काल में अगर यह छतिग्रस्त होता है तो इसके परिणाम खतरनाक भी हो सकते हैं। इसे देखते हुए नगर की जनता 20 वर्षों से इस स्लुस गेट का सुधार कार्य कराने की मांग करते आ रही है। नगरपालिका के पार्षद इसके सुधार के लिए अनेक बार परिषद का प्रस्ताव ले चुके हैं किंतु कोई हल नहीं निकला। पिछले 2 सालों से निरंतर बिगड़ती स्थिति को देखकर समाचार पत्रों के माध्यम से भी प्रशासन को इस स्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद नगर पालिका ने अपनी निधि से इस बार जल मार्ग निर्माण कराने के लिए निविदा आमंत्रित की है जो की बेनतीजा रही। जानकारों का मानना है कि वर्षा काल प्रारंभ होने को है स्लुइस गेट पुन- निर्माण के लिए समय शेष नहीं है ऐसी स्थिति में नगर पालिका को गेट सुधार के प्रयास करने चाहिए, ताकि वर्षा काल में उक्त भाग सुरक्षित हो सके।

इनका कहना है -

नगर पालिका ने ताप्ती और शनि सरोवर के मध्य बने जल निकासी मार्ग स्लुइस गेट निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की थी ठेकेदार ने अनुबंध नहीं किया है जिसकी राशि राजसात की जाएगी।

- महेश शर्मा,
उपयंत्री नगर पालिका मुलताई

कारगिल चौक से गाड़ाघाट ओल्ड एन.एच.तक बनेगी 7.89 करोड़ की 2.70 किमी सडक़

5 वार्डो से गुजरने वाले व्यस्ततम मार्ग पर आवागमन होगा सुलभ

बैतूल। जिला मुख्यालय बैतूल को सुन्दर और सुविधाजनक बनाने के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा विशेष प्रयास कर करोडो रुपए के विकास कार्य स्वीकृत करवाए जा रहे है। बैतूल शहर में सुलभ आवागमन के लिए नए सिरे से सडक़ो का विस्तारीकृरण एवं निर्माण करवाया जा रहा है। बैतूल विधायक के प्रयासों से बैतूल नगर के सबसे व्यस्ततम मार्ग कारगिल चौक से अखाड़ा चौक गाडाघाट होते हुए ओल्ड एन.एच. 69 तक 7 करोड़ 89 लाख 35 हजार रुपए की लागत से 2.70 किमी सडक़ का निर्माण होगा। पांच वार्डो से गुजरनें वाले इस व्यस्तम मार्ग की चौड़ाई लगभग 10 मीटर रहेगी। साथ ही गाड़ाघाट मार्ग के नाले पर पुल का निर्माण भी किया जाएगा। सीमेंट - कांक्रीट, डामरीकृत सडक़ निर्माण के साथ विघुतीकरण, मार्ग के किनारे सोल्डर, सडक़ सुरक्षा हेतु मार्किग पट्टे, साईन बोर्ड का कार्य भी किया जाएगा।

जल्द शुरू होगा निर्माण- बैतूल शहर के सर्वाधिक मार्गो में एक कारगिल चौक से अखाडा चौक होते हुए गाडाघाट ओल्ड एन.एच. 69 तक 2.70 मीटर लंबी सडक का निर्माण लोक निर्माण द्वारा करवाया जाएगा। सडक़ निर्माण के लिए 7 करोड़ 89 लाख 35 हजार रुपए की तकनीकि एवं प्रशासकीय स्वीकृत मिलनें के बाद टेंडर स्वीकृत हो गए है। जिसके बाद जल्द ही सडक निर्माण का कार्य शुरु होगा। इस सडक़ की चौड़ाई लगभग 10 मीटर रहेगी। कुछ स्थानों पर जगह की उपलब्धता कम होने पर चौड़ाई कम भी की जा सकती है।

पांच वार्डो से गुजरती है सडक़- उल्लेखनीय है कि 7.89 करोड़ रुपए की लागत से बननें वाली कारगिल चौक से अखाड़ा चौक होते हुए गाड़ाघाट ओल्ड एन.एच.तक 2.70 किमी की सडक़ नपा बैतूल के महावीर, चंद्रशेखर, प्रताप, इंदिरा एवं अम्बेडकर वार्डो से गुजरती है। इस अतिव्यस्तम सडक़ निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। ट्रेफिक के दबाव के कारण यहां अक्सर ट्रेफिक जाम की स्थिती निर्मित हो जाती थी। सडक निर्माण होने से आवागमन सुलभ हो जाएगा।

हनुमान मंदिर जाने वाले भक्तों की राह होगी आसान- बैतूल शहर के उक्त व्यस्ततम मार्ग में लिंक रोड पर बडी संख्या में हॉस्पीटल,मेडीकल स्टोर्स,स्कूल,कोचिंग संस्थान सहित अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान स्थित है। साथ ही अखाड़ा चौक टिकारी में सुप्रसिद्ध हनुमान मंदिर स्थित है। जिसके चलते इस मार्ग पर वाहनों का मूव्हमेंट अधिक होनें से अक्सर ट्रैफिक जाम लग जाता है। इस मार्ग का निर्माण होनें से आवागमन सुलभ हो जाएगा। साथ ही हनुमान मंदिर जाने वाले भक्तों की राह भी आसान होगी। बैतूल शहर को ओल्ड एन.एच 69 से जोडने वाले इस मार्ग में गाडाघाट के समीप स्थित नाले पर पुल नही होनें से बारिश में बाढ़ आने से आवागमन ठप्प हो जाता था। सडक निर्माण के साथ ही गाड़ाघाट रोड पर पुल का निर्माण भी किया जाएगा। पुल निर्माण होनें से बारिश में आवागमन बाधित नहीं होगी। जिससे बैतूल शहर की कारगिल चौक, अखाडा चौक,गाड़ाघाट होते हुए ओल्ड एन.एच.69 से कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी।

मां ताप्ती के तट पर सिद्धाश्रम साधक परिवार 15 जून को लगाएगा सैकड़ों पौधे

बैतूल। सिद्धाश्रम साधक परिवार निखिल मंत्र विज्ञान द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 15 जून को एक पौधा गुरु के नाम पौधारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान पारसडोह स्थित पुण्य सलिला मां ताप्ती नदी के पवित्र तट पर आयोजित किया जा रहा है। साधक नितिन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पौधारोपण कार्यक्रम सिद्धाश्रम साधक परिवार निखिल मंत्र विज्ञान के तत्वावधान में संपन्न होगा। इस अभियान में जिलेभर से साधक परिवार की टीम भाग लेगी। सम्पूर्ण प्राणी जगत को वृक्ष प्राण उर्जा देता है। इसी उद्देश्य से सैकड़ों की संख्या में पीपल, नीम, बरगद, लक्ष्मी तरु, बेल, जामुन सहित विभिन्न छायादार व औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। पौधों की सुरक्षा के लिए भी पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। इस अभियान के माध्यम से साधक प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लेंगे और पर्यावरण रक्षा के इस पुनीत कार्य में तन-मन-धन से समर्पण भाव से सहभागी बनेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजीव खंडेलवाल, बलदेव दवंडे, रूसीलाल यादव, ओंकार साहू, हर्षा मनोज अग्रवाल, विमल बचले, गणेश साहू, शैलेंद्र गायकवाड, दिलीप, गोलू, सोनू, निखिल सोनी, मनोहर जीतपूरे, रघुनाथ लोखंडे, नेकराम राठौर, आनंद भोला डोंगरे, नारायण, मनोज तुमाने, निश्चल कमाविस्दार, पंजाबराव चिल्हाटे, चिंद्या बरडे, धनराज सूर्यवंशी, राजेन्द्र पाटनकर सहित अनेक साधक मौजूद रहेंगे।

मोही व चोरडोंगरी में भूमि आवंटन प्रक्रिया तेज से पूर्ण की जाएं: कलेक्टर

मोरडोंगरी को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने शासन को भेजा जाएगा प्रस्ताव

बैतूल। औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोही और चोरडोंगरी औद्योगिक क्षेत्र में इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया तेजी से पूर्ण की जाए। साथ ही बैतूल के मोरडोंगरी क्षेत्र की 17 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजा जाए। कलेक्टर ने बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक रोहित डावर को निर्देशित किया कि वुडन क्लस्टर कढ़ाई में अधोसंरचना निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए ताकि निवेशकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में स्वरोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग 30 जून तक हितग्राहियों के ऋण संबंधी समस्त प्रकरण बैंकों में पूर्ण दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। प्रकरणों में विलंब या दस्तावेजों की त्रुटियों की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सतत मॉनिटरिंग कर उन्हें शीघ्र स्वीकृत और वितरित कराना सुनिश्चित किया जाए। पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग को भी केसीसी के नवीन लक्ष्य अनुसार प्रकरणों को समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बैंकों से समन्वय पर विशेष जोर- कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने अमले को बैंकों में भेजकर प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लें और आवश्यक समन्वय कर लाभार्थियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराएं। उन्होंने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को स्वरोजगार योजनाओं एवं केसीसी प्रकरणों के स्वीकृति एवं वितरण में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

रेशम व उद्यानिकी गतिविधियों की भी समीक्षा- बैठक में रेशम और उद्यानिकी विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा कर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में गति लाने के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, डीपीएम एनआरएलएम, सहायक प्रबंधक मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान निरंतर अकादमिक उत्कृष्टता और शल्य चिकित्सा नवाचार के क्षेत्र में मध्य भारत का मार्गदर्शन कर रहा है। इसी कड़ी में, एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी विभाग एवं एनाटॉमी विभाग द्वारा भोपाल की न्यूरो एसोसिएशन के सहयोग से आईएसबीएम स्कल बेस कोर्स 2025 का आयोजन किया गया है, जो न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रमुख कार्यक्रम है। यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस 13 से 15 जून 2025 तक एम्स भोपाल परिसर में आयोजित की जा रही है, जिसकी शुरुआत आज, 13 जून को हैंड्स-ऑन स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला के साथ हुई। एनाटॉमी विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में कैडेवर आधारित अभ्यास के माध्यम से एंडोस्कोपिक स्कल बेस सर्जरी तकनीकों और माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस की उन्नत विधियों पर फोकस किया गया। इस कार्यशाला में देश-विदेश के वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, न्यूरोसर्जनों तथा प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। दिन की शुरुआत विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा लाइव डेमोंस्ट्रेशन से हुई, जिसके बाद प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अभ्यास सत्रों में भाग लिया। यह कार्यशाला 100 से अधिक प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई, जिसमें प्रैक्टिसिंग न्यूरोसर्जन और रेजिडेंट्स दोनों शामिल थे। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, एम्स भोपाल को इस उच्च स्तरीय सम्मेलन की मेज़बानी पर गर्व है। यह न केवल मध्य भारत की अकादमिक क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है। यह कार्यशाला और आगामी सत्र संस्थान की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके अंतर्गत हम उन्नत और व्यावहारिक शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराते हैं, जिससे चिकित्सकों और रोगियों दोनों को लाभ हो।÷ इस सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 14 जून 2025 को किया जाएगा, जिसके पश्चात 14 व 15 जून को एक गहन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, केस डिस्कशन, सर्जिकल वीडियो डेमोंस्ट्रेशन एवं कैडेवरिक डिसेक्शन सत्र शामिल होंगे। इस कोर्स में 200 प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य स्कल बेस न्यूरोसर्जरी की समझ को सुदृढ़ करना, सहयोग को बढ़ावा देना तथा उन्नत सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना है। युवा न्यूरोसर्जनों और प्रशिक्षुओं के लिए यह सम्मेलन ज्ञानवर्धन और कौशल विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

संघ लोक सेवा आयोग ने अप्रैल 2025 के लिए भर्ती परिणाम घोषित किए

नईदिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2025 के अप्रैल माह में भर्ती परिणामों को अंतिम रूप दिया गया है। अनुशंसित उम्मीदवारों को डाक द्वारा व्यक्तिगत रूप से सूचित किया गया है। अन्य उम्मीदवारों के आवेदनों पर यथोचित विचार किया गया लेकिन खेद है कि उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाना/पद के लिए उनकी अनुशंसा करना संभव नहीं हो सका।

लीजेंड वॉरियर बनी खो-खो प्रीमियर लीग विजेता

विधायक हेमंत खंडेलवाल ने वितरित किया प्रथम पुरस्कार

बैतूल। जिले में पहली बार खो-खो प्रीमियर लीग का आयोजन पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती की स्मृति में किया गया। 12 जून को बैतूल पुलिस ग्राउंड में इस प्रतियोगिता का आयोजन अहिल्या कप के नाम से किया गया, जिसमें जिले के सभी खो-खो खिलाडि़यों को शामिल किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला प्रचारक शिवम और मानसरोवर द स्कूल के चेयरमैन डॉ. विनय सिंह चौहान ने किया। इस आयोजन को बैतूल खो-खो क्लब द्वारा आयोजित किया गया, जिसके अध्यक्ष अंकित भिकोंडे और सचिव दक्ष चंदेल हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी खिलाडि़यों को चार टीमों में बांटा गया और टीमों का गठन आक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। टीम एच मार्ट

के ऑनर धीरज हिरानी, टीम लीजेंड वॉरियर के ऑनर विलीन चौकीकर, टीम अग्नि वीर के ऑनर रमेश पाठा, टीम आरए स्पोर्ट्स के ऑनर अशोक रघुवंशी रहे।यह प्रतियोगिता लीग आधार पर आयोजित की गई थी, जिसके बाद फाइनल मुकाबला लीजेंड वॉरियर और अग्नि वीर टीम के बीच खेला गया। फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लीजेंड वॉरियर टीम ने विजयी होकर अहिल्या कप पर कब्जा जमाया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा प्रदान किया गया जबकि द्वितीय पुरस्कार समाजसेवी मुन्ना मानकर द्वारा दिया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अतीत पवार और खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील रहीं, जिन्होंने विजेता खिलाडि़यों को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में आगामी प्रतियोगिताओं के लिए खिलाडि़यों को शुभकामनाएं दी गईं। इस आयोजन को सफल बनाने में दीपक सलूजा, प्रमेश राजपूत और गौरव सिंह सिसोदिया ने विशेष भूमिका निभाई। आयोजन समिति के अध्यक्ष मधुकर राव देव्हारे ने सभी अतिथियों व बैतूलवासियों का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान दिवस की जागरूकता के लिए निकलेगी वाहन रैली

बैतूल। स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की जागरूकता के लिए आज 14 जून को ओपन ऑडिटोरियम से रक्तदान जागरूकता वाहन रैली निकाली जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाडे ने बताया कि रैली को जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झंडी दिखाई जायेगी। यह वाहन रैली ओपन ऑडिटोरियम से होते हुए कारगिल चौक, लिंक रोड, टिकारी, लल्ली चौक, कोठी बाजार, बस स्टैंड, पेट्रोल पम्प, शिवाजी चौक, गंज तांगा चौक, मैकेनिक चौक, गुरुद्वारा रोड होते हुये चिकित्सालय बैतूल पर समाप्त होगी। रैली में जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, वरिष्ठ नागरिक, प्रबुद्धजन, स्वयं सेवी संस्थाऐं, कोचिंग इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्रा, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहेंगे। सीएमएचओ डॉ हुरमाडे ने सभी बैतूलवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में वाहन रैली में जुडक़र बैतूल जिले में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करें।

जन-परिषद द्वारा सराहनीय कार्य करने वालों का सम्मान

भोपाल। अग्रणी संस्था जन-परिषद के समारोह में एयर मार्शल प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि युवाओं को संस्कारी बनाना समाज की जिम्मेदारी है। वे जन-परिषद सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे।

बी यूनिक इंटरनेशनल एवं एक्ट्रेस सुश्री विद्या जोशी पटेल ने कहा कि उपनिषद सी है जन-परिषद संस्था। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निर्भय श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार जीवन सिंह रजक ने भी संस्था की प्रशंसा की। संस्था के उपाध्यक्ष एस.के. मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। जी.पी. श्रीवास्तव ने बताया कि जन-परिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर संस्था की शुरूआत की। कार्यक्रम में व्यंग्य संग्रह व्यंग्य भए क्वारंटाइन'' और जन-परिषद की स्मारिका का विमोचन हुआ।

समारोह में सुश्री विद्या जोशी पटेल को ब्यूटी ब्रिलिएंट ऑफ एशिया सम्मान, एडिशनल एस.पी. श्रीमती कमला रावत को लक्ष्मी रायकवार स्मृति सम्मान, श्रीमती भावना डेहरिया को प्रिन्सेस ऑफ हाइट सम्मान, डॉ. प्रवीण दाताराम को माँ प्रभा देवी सम्मान, डॉ. निर्भय

श्रीवास्तव को राजकमल एक्सीलेन्सी सम्मान से सम्मानित किया गया। जीवन सिंह रजक को कवि प्रदीप चौबे सम्मान, एडवोकेट मनीष त्रिपाठी को जस्टिस पी.के. तारे सम्मान, शरद फाउण्डेशन को कुलभूषण दिल्लौरी सम्मान, रऊफ खान लाला को के.के अग्निहोत्री सम्मान दिया गया। श्रीमती तृप्ति शिन्दे मिसेस यूनिवर्स को चार्मिंग पर्सनालिटी, रागिनी द्विवेदी लखनऊ मिस इंडिया को फोटोजेनिक पर्सनालिटी और दिव्या चौधरी भोपाल मिसेस इंडिया को लुमिनस आइस से नवाज़ा गया। अप्रिशिएसन के लिए जितेन्द्र पुरोहित, अंकलेश्वर दुबे (अन्नी भैया) और नवीन पालीवाल को सम्मानित किया गया। वेस्ट चैप्टर के लिये आष्टा, दमोह और मुलताई की जन-परिषद संस्था को सम्मान दिया गया। राजेश गुप्ता, विनोद श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव 'नीलू' और दुर्गेश रायकवार को भी उनके कार्यों की सराहना के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संचालन रामजी श्रीवास्तव व आभार प्रदर्शन अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया।

नियमित रूप से रक्तदान करके मानवता के यज्ञ में बनें भागीदार- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रक्तदान महादान है। रक्तदान से कई ज़िंदगियों का संरक्षण किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान कर इस मानवीय अभियान को सशक्त बनाएं। रक्तदान किसी व्यक्ति को जीवनदान देने जैसा है। उन्होंने आह्वान किया कि रक्तदान को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और नियमित रूप से रक्तदान करके मानवता के इस यज्ञ में भागीदार बनें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त नहीं, बल्कि आशा, विश्वास और जीवन का प्रतीक होता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अलीराजपुर ब्लड बैंक में कार्यरत टेक्नीशियन श्री परमल सिंह राठौड़ के रक्तदान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि श्री राठौड़ जैसे समर्पित स्वास्थ्यकर्मी हमारे समाज के सच्चे नायक हैं। वे रक्तदान जागरुकता के वाहक बने। उन्होंने कार्य-निष्ठा, पारदर्शिता और सेवाभाव का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह सम्पूर्ण स्वास्थ्य तंत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

5 वर्षों में 18 हज़ार से अधिक यूनिट रक्त की पूर्ति से अलीराजपुर रक्तदान में बना आत्मनिर्भर- उल्लेखनीय है कि टेक्नीशियन श्री राठौड़ ने अलीराजपुर ब्लड बैंक में समर्पण और अनुकरणीय सेवा से जिले में रक्तदान आंदोलन को नई दिशा दी। आर्मी की नौकरी छोड़कर स्वास्थ्य विभाग में आए राठौड़ जी ने बीते 5 वर्षों में 18 हज़ार से अधिक यूनिट रक्त की पूर्ति कर, पूरे जिले को रक्तदान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने ब्लड बैंक के लाइसेंस को रिन्यू कराया साथ ही 10 वर्षों से अधिक का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में व्यवस्थित किया। चाहे आधी रात हो या दूरस्थ क्षेत्र, उनका पहला कर्तव्य मरीजों को जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराना रहा। उनके प्रयासों से एक ही छत के नीचे 700 से अधिक रक्तदाताओं का सफल पंजीकरण और 2,000 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया। इस उपलब्धि से अलीराजपुर ज़िला पूरे प्रदेश में जनहित का उत्कृष्ट उदाहरण बना।

वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 लाख 61 हज़ार यूनिट रक्त किया गया संग्रहित

मध्यप्रदेश में वर्तमान में 67 शासकीय सहित कुल 174 ब्लड सेंटर संचालित हैं। वर्ष 2024-25 में प्रदेश भर में 5,283 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 7 लाख 61 हज़ार यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इसमें 7,41,460 पुरुषों और 20,323 महिलाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज को नई ऊर्जा दी। यह संग्रहण गत वर्षों की तुलना में लगभग 2 लाख यूनिट अधिक है, जो प्रदेश की जनजागरूकता और सेवा भावना का प्रमाण है।

प्रदेश में गर्भवती महिलाओं, सिकल सेल एनीमिया, थैलेसिमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को रिप्लेसमेंट फ्री और निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में भी रक्त की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 118 ब्लड स्टोरेज यूनिट्स को चिन्हित कर ब्लॉक स्तर पर क्रियाशील किया गया है। साथ ही, संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए एनएटी तकनीक द्वारा वर्ष 2024-25 में 84,074 यूनिट रक्त की जांच कर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के ब्लड सेंटरों में 25 ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट्स का संचालन भी प्रारंभ किया गया है।

जनपरिषद के स्थापना दिवस पर लिया सतत सेवा का संकल्प

देवास। भोपाल में शुक्रवार को सामाजिक संस्था जनपरिषद का 36 वा स्थापना दिवस मनाया गया इस अवसर पर डॉ निर्भय श्रीवास्तव समाजसेवी एस के मिश्रा, साहित्यकार जीवन सिंह रजक,एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव विन्ध्या जोशी पटेल दुबई/ मिसेज इंटरनेशनल अतिथि रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण में एस के मिश्रा ने कहा गठन तक अभी तक संस्था ने प्रदेश, देश और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर संस्था ने अपने कामों से अपनी पहचान बनाई है हमें अपनी टीम पर गर्व है,275 चैप्टर के साथ टीम

में 38 से 40 हजार लोग जुड़े है जीवन सिंह रजक ने कहा जनपरिषद जैसी संस्थाएं आज समाज मे सकारात्मक बदलाव के लिए जो काम कर रही है वो स्तुत्य और सराहनीय है मेरी शुभकामनायें संस्था और टीम के साथ है ।

प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा आज जो अनुशासन हीनता देखने मे आती है तो उसके लिए हम सबको कदम उठाना होगा,नई पीढ़ी को प्यार से समझाना होगा तभी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे विन्ध्या जोशी पटेल ने कहा कि पहली बार जब मैं जनपरिषद से जुड़ी तो लगा ऐसे जन सरोकार से जुड़ी संस्था के साथ मिलकर काम करते रहना चाहिए कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन तथा व्यंग्यकार प्रेमचंद द्वितीय के व्यंग्य संग्रह 'व्यंग्य भए क्वारनटाईन' का विमोचन किया गया। परिषद से जुड़े अनेक चैप्टर के साथियों को तथा शहर की उन प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की है साथ ही ब्युटी briliyent of एशिया से विन्ध्या जोशी पटेल दुबई/ को सम्मानित किया गया ।

धार्मिक पवित्र नगरी मुलताई में हो वंदे भारत स्टॉपेज

ली जा रही है सामाजिक संगठनों से राय चलाया जाएगा आंदोलन

बैतूल/मुलताई। पवित्र धार्मिक नगरी मुलताई में वंदे भारत ट्रेन के स्टॉपेज की मांग जोर पकडऩे लगी है। नगर के विभिन्न संगठनों से जुड़े जागरूक नागरिक बैठकों का आयोजन कर इस संबंध में लोगों की राय ले रहे हैं, ताकि आगामी समय में ट्रेन स्टॉप की मांग को लेकर आंदोलन चलाया जा सके। वंदे भारत का ताप्ती नगरी में स्टॉपेज की मांग को लेकर नागरिकों का तर्क यह है कि मध्यप्रदेश में वंदे भारत नौ स्टेशनों पर रूकती है, जिसमें से नर्मदापुरम, खजुराहो और उज्जैन तीन शहरो को रेलवे ने वंदे भारत स्टॉपेज धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल होने के कारण दिया है। इटारसी से नर्मदापुरम की दूरी मात्र 20 किलोमीटर है और वंदे भारत ट्रेन इटारसी और नर्मदा पुरम दोनों स्थानों पर रूकती है। इंदौर से निकलने वाली वंदे भारत ट्रेन उज्जैन, भोपाल, नर्मदापुरम, इटारसी और बैतूल के बाद नागपुर रूकती है। अगर वंदे भारत को इटारसी के बाद मां नर्मदा की पवित्र नगरी नर्मदापुरम में मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर स्टॉपेज दिया जा सकता है, तो बैतूल से 50 किलोमीटर की दूरी और नागपुर से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की पवित्र ताप्ती उद्गम स्थली को वंदे भारत का स्टॉपेज क्यों नहीं दिया जा सकता। महेश पाठक हाजी शमीम, संजय यादव, डॉक्टर कृष्णा धोटे, पूर्व पार्षद हनी खुराना बताते हैं कि सरकार प्रदेश के 17 धार्मिक स्थलों के विकास के लिए ठोस कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन प्रारंभ करने जा रही है।

गौसेवा परमोधर्म - गौसेवा से कई जन्मों के पाप मिट जाते है - गौशरणानंद जी महाराज

एक शाम गौ माता के नाम पर आयोजित भजन संध्या में श्रद्धालु हुए भावविभोर

धार। श्री गौधाम महातीर्थ पथमेड़ा जिसे देश की सबसे बड़ी गौशाला होने का सौभाग्य प्राप्त है । पथमेड़ा गौशाला के तत्वाधान में परम गौऋषि श्री दत्तशरणानंद जी महाराज मुख्य संरक्षक , श्री गोपालानंदजी सरस्वती राष्ट्रीय संयोजक के आशीर्वाद से गौमाता की रक्षा संवर्धन एवं संरक्षण के लिए गौशरणानंद जी महाराज के नेतृत्व में गौ क्रांति यात्रा पुरे मध्यप्रदेश में निकाली जा रही है। इसी कड़ी में 12 जून, गुरूवार को गौ क्रांति यात्रा का धार में आगमन हुआ । अहमदाबाद हवाई हादसे के शोक स्वरूप धार में दिन में निकलने वाली गौ क्रांति यात्रा निरस्त कर दी गई थी । धार के प्रसिद्ध श्री सांवरिया सेठ मंदिर में एक शाम गौ माता के नाम पर आयोजित भव्य भजन संध्या में गौभक्त , श्रद्धालुगण , मातृशक्ति एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति पर भावविभोर हो उठे।

इस अवसर पर गौमाता की रक्षा संवर्धन एवं संरक्षण के लिए गौ क्रांति यात्रा लेकर मध्यप्रदेश में निकले गौशरणानंद जी महाराज ने अपनी

ओजस्वी वाणी में प्रवचन देते हुए कहा कि गौसेवा परमोधर्म है , गौसेवा से कई जन्मों के पाप मिट जाते है । गौमाता का संरक्षण, संवर्धन और गौमाता कसाईयों के हाथों कटने ना जाए यह हम सब सनातनियों का धर्म और कर्तव्य है । आज समाज में जनजागरण की महती आवश्यकता है। गौमाता नही बचेंगी तो हम कहाँ से बच जाएंगे।

गौशरणानंद जी महाराज और पधारें संतों का पुष्पहारों और स्मृति चिन्ह द्वारा स्वागत कार्यक्रम संयोजक संतोष पुरोहित, प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, अशोक शास्त्री , ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, स्वयं प्रकाश सोनी, अशोक मनोहर जोशी, ओमप्रकाश सोलंकी , ऋषि भार्गव, अवध द्विवेदी, सलिल यादव, पवन अग्रावत, मोहन राठौड़, जगदीश काकरवाल, पुण्यपाल जैन, सुरेश परमार, चेतन खेर, कुक्षी से पधारी गीता दीदी सहित गौभक्तों ने किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा ने किया।

मातृशक्ति का होगा भक्तिमय संगम , तीन राज्यों के प्रसिद्ध मंडल एक मंच पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ में 60 दोहे और चौपाई पर देंगे प्रस्तुति...

आपरेशन सिंदूर अभियान की सफलता पर धार जिला पत्रकार संघ का अनूठा आयोजन

धार। शनिवार की शाम जिला मुख्यालय पर धार जिला पत्रकार संघ द्वारा ''एक शाम हनुमान जी के नाम'' अखिल भारतीय सुंदरकांड पाठ का अनूठा आयोजन होगा। आयोजन में देश के तीन प्रसिद्ध सुंदरकांड मंडल क्रम अनुसार 20-20 दोहे, चौपाई पर लगातार तीन घंटे अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवित रूप से शाम 6:30 बजे से गणेश पूजन व अतिथियों के स्वागत के साथ विधिवित शुरूआत होगी। धार जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष प. छोटू शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में होने वाले इस अनूठे आयोजन को लेकर तैयारी पूर्ण रूप से कर ली गई है। त्रिमूर्ति चौराहे स्थित जीएमडी गार्डन पर मातृशक्ति संगम के साथ प्रभू हनुमान जी का सुमिरन किया जाएगा। इस अनूठे आयोजन के साक्षी शहरवासी सहित जिले के अनेक कस्बो से भक्तगण पहुंचेगे। कार्यक्रम को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है। धार की धरा पर संभवतः पहली बार बडोदा के मातृशक्ति का भक्ति संगम शहरवासियों को श्रवण करने का लाभ मिलेगा। आयोजन को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम प्रचार प्रसार व्यापक स्तर से किया गया है। कार्यक्रम में महिलाओ के लिए उचित बैठक व्यवस्था की गई है।

राजसमंद मंडल की पहली होगी प्रस्तुति ...

गणेश पूजन के बाद सुंदरकांड मंडल के सदस्यों एवं अतिथियों का प्रतिक चिन्ह से सम्मान किया जाएगा। सायं 7 बजे विधिवित मां वक्रांगी मित्र मंडल राजसमंद सुंदरकांड मंडल द्वारा अखिल भारतीय सुंदरकांड पाठ की शुरूआत होगी। मंडल के द्वारा पहले क्रम में 20 दोहे और चोपाईयों पर संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। दूसरे क्रम में गुजरात के प्रसिद्ध बडौदा के चार भुजा रामायण महिला मंडल द्वारा दौहे व चौपाई से प्रस्तुति दी जाएगी। अंतिम क्रम में जिले के एतिहासिक प्राचीन राणा बख्तावर की नगरी अमझेरा का पवनपुत्र सुंदरकांड मंडल प्रस्तुति देकर हनुमान चालिसा पाठ करेंगे। कार्यक्रम का समापन महाआरती व महाप्रसादी के साथ सम्पन्न होगा।

15 बाय 30 के मंच पर देश के प्रमुख 3 मंडल शनिवार को देंगे सुंदरकांड की प्रस्तुति

तीन राज्यो के प्रमुख सुंदरकांड मण्डल 15 बाय 30 के मंच पर क्रमअनुसार अपनी सुरमय आवज से सुंदरकांड पाठ के दोहे और चौपाईयो का सुमिरन करेगे। पं.छोटू शास्त्री ने बताया कि 3 घंटे के इस भव्य दिव्य और भक्तिमय आयोजन मे प्रत्येक टीम को 1-1 घंटे की अवधि निर्धारित की गई है जिसमे प्रत्येक मंडल 20-20 दोहे की प्रस्तुतिया प्रस्तुत करेगी। कार्यक्रम की लाइव लिंक के साथ लाईव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई है। उक्त कार्यक्रम मे पहलगाव त्रासदी मे शहीद हुए एवं अहमदाबाद मे हुए प्लेन क्रेश मे दिवगंतो को श्रद्धांजलि दी जायेगी।

जरूरतमंदों को छाते वितरित

सुबह सवेरे सोहागपुर। सेवानिवृत्त सिंचाई विभाग के एसडीओ महेशकुमार सोनी सेवानिवृत्त होने के बाद हमेशा जरूरतमंद बेसहारा,गरीब नागरिकों की सहायता में हमेशा तत्पर रहते हैं। हालांकि वे कहते हैं कि इस प्रचार प्रसार करना उचित नहीं है। लेकिन यह अनुकरणीय उदाहरण है कि प्रतिवर्ष कभी कंबल, जूते बच्चों की फीस, बीमार व्यक्ति को दवाई ,कभी अन्य ज़रूरत की सामग्री वितरित करते रहते हैं।इसी कारण अन्य नागरिक भी ऐसा ही योगदान देकर नागरिकों की तकलीफ़ दूर करें। इसी तारतम्य श्री महेश कुमारसोनी ने बारिश के मौसम को देखते हुए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं फुटपाथ पर रहने वाले जरूरतमंद गरीब बेसहारा लोगों को 101 छात्रों का वितरित किया।

उल्लेखनीय है कि आप कई वर्षों से इसी प्रकार की सहायता करते आ रहे

हैं।आपका मानना है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। यह सब हनुमान जी की कृपा से हो रहा है। इस अवसर पर राम रहीम रोटी बैंक के संचालक एवं वरिष्ठ पार्षद डॉ.जमील खान, समाजसेवी विमलेश तिवारी, आनंद कुशवाहा अंतिम भाई विशेष आदि उपस्थित थे।

फ्रांस के साथ एमओयू से प्रदेश की संस्कृति को मिलेगा वैश्विक मंच: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मप्र बनेगा भारत-फ्रांस सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग का नया केंद्र

भोपाल (नप्र)। फ्रांस और मध्यप्रदेश के बीच संस्कृति और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मुख्यमंत्री निवास, समत्व में एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओ) पर हस्ताक्षर किए गए। यह मध्यप्रदेश को भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन सहयोग का नया केंद्र बनाएगा। इस ऐतिहासिक एमओयू पर भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ, प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला और अलायंस फ्रांसेज़ डी भोपाल के अध्यक्ष श्री अखिलेश वर्मा ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता अगले तीन वर्षों के लिए वैध होगा और आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत और फ्रांस के साथ सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे के बाद यह और प्रगाढ़ हुए है। मध्यप्रदेश फ्रांस के साथ सांस्कृतिक संबंधों के साथ व्यापारिक सम्बन्धों के लिए भी तत्पर है। उनकी आगामी माह फ्रांस यात्रा प्रस्तावित है। भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक विकास की दृष्टि से, उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और शिल्प कलाओं को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। यह समझौता

ज्ञापन मध्यप्रदेश को न केवल देश की सांस्कृतिक राजधानी बल्कि एक प्रगतिशील, वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी दूरदृष्टि को साकार करता है। प्रदेश के कलाकारों को वैश्विक मंच मिलेगा और फ्रांस तथा यूरोप से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ ने इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमें मध्यप्रदेश सरकार के साथ इस महत्वपूर्ण सहयोग को स्थापित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। फ्रांस मुख्य रूप से पर्यटन, सुरक्षा, पर्यावरण और शिक्षा पर विशेष रूप से कार्य करता है। यह एमओयू दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, जिससे कला, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

एमओयू के तहत प्रमुख रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयुक्त आयोजन किया जाएगा, जिसमें कला उत्सव, संगीत, नृत्य, प्रदर्शनियां, फिल्म स्क्रीनिंग, खानपान और संस्कृति से जुड़े अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। प्रतिवर्ष एक समर्पित इंडो-फ्रेंच सांस्कृतिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की पर्यटन प्रचार सामग्री का फ्रेंच भाषा में अनुवाद किया जाएगा और फ्रांसीसी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। पर्यटन क्षेत्र के अधिकारियों और गाइड्स को फ्रेंच भाषा एवं संस्कृति का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

यह समझौता प्रदेश की सांस्कृतिक रणनीति को बल देगा और स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, छात्रों तथा सांस्कृतिक संगठनों को वैश्विक मंच प्रदान करेगा, जिससे मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव उद्योग श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, फ्रांस के कौंसुल जनरल श्री जीन-मार्क सेरे-शार्ले, फ्रांसीसी दूतावास के राजनीतिक परामर्शदाता, श्री शाद जॉयनाल आबेदीन और अलायंस फ्रांसेज़ के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

हाईवोल्टेज लाइन से टकराई सीढ़ी, 3 की मौत, 3 झुलसे

नरसिंहपुर के मैरिज गार्डन में शादी समारोह का पंडाल सजा रहे थे

नरसिंहपुर (नप्र)। नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन झुलस गए। शवों से धुआं निकल रहा था। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे श्री पैलेस गार्डन के बाहर हुआ।

गाडरवाड़ा थाना प्रभारी विक्रम रजक के मुताबिक, मैरिज गार्डन के गेट पर वहीं के कर्मचारी बड़ी सीढ़ी को धक्का देकर मेन रोड की तरफ ला रहे थे, तभी गेट के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन से सीढ़ी टकरा गई। इसमें छह लोग झुलसे हैं। तीन की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। बाकी तीन गंभीर रूप से घायल हैं। एक को नरसिंहपुर रेफर किया गया है।

दो मृतक गाडरवाड़ा और एक इंदौर का रहने वाला था। श्री पैलेस मैरिज गार्डन प्रकाश काबरा का है, जो गाडरवाड़ा के बड़े व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

इनकी मौत हुई

1. पीयूष (21) मेखवाल पिता गोलू मेखवाल निवासी परदेशीपुरा, इंदौर
2. राजू साहू (24) पिता सुदामा साहू निवासी पलोटनगंज, गाडरवाड़ा
3. संतोष पाली (31) पिता नारायण पाली निवासी स्टेशन के पास गाडरवाड़ा

ये हुए घायल

1. आशाराम जाटव (60) पिता बद्रीप्रसाद जाटव निवासी खेरीटोला, गाडरवाड़ा 2. आशीष कौरव पिता चंद्रकांत कौरव निवासी गाडरवाड़ा
3. पूरनलाल जाटव (30) पिता डालचंद जाटव निवासी राजेंद्र बाबू वार्ड, गाडरवाड़ा

रेगुलर, नॉन रेगुलर एम्प्लाई की डेटा एंट्री जांच जारी

स्टेट फाइनेंसियल इंटेलिजेंस सेल करती है पैसों के लेन-देन की मॉनिटरिंग, उसी ने पकड़ी गड़बड़ी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में 45 हजार कर्मचारियों अधिकारियों का 4 माह से वेतन नहीं निकाले जाने के मामले में राज्य सरकार ने कोषालय अधिकारियों को डेटा टेस्टिंग के निर्देश दिए हैं। इसका खुलासा एसएफआईसी (स्टेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस सेल) ने किया था जिसके बाद सरकार सतर्क हुई है और अब प्रदेश के नियमित और दैनिक वेतन भोगी, स्थायी, संविदा व आउटसोर्स, नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डेटा का परीक्षण आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है। आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समय-समय पर पत्र लिखकर डेटा की पुष्टि के लिए निर्देश दिए गए हैं।

आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय के अंतर्गत एक राज्य वित्तीय इंटेलिजेंस सेल (एसएफआईसी) संचालित है जो नियमित अंतराल पर कोषालय के डेटा का एनालिसिस करता है। इसमें कर्मचारियों के वेतन आहरण की मॉनिटरिंग भी की जाती है। इस सेल द्वारा ऐसे 45 हजार कर्मचारियों के कर्मचारी कोड के डेटा का विश्लेषण किया गया जिनके पिछले चार महीनों से वेतन का आहरण कोषालय सॉफ्टवेयर से नहीं किया गया।

इसलिए ऐसे कर्मचारियों की डिटेल का सत्यापन कोषालय अधिकारियों के माध्यम से संबंधित डीडीओ से कराए जाने के लिए आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा निर्देश जारी किए गए। यह कहा गया है कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है जो समय-समय पर आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय द्वारा की जाती है।

15 दिन में कारण के साथ वेतन न निकालने की वजह के साथ करें एंट्री- अफसरों के अनुसार माह दिसंबर 2024 के डेटा का परीक्षण कर पाया गया कि ऐसे कर्मचारी हैं जिनके एम्प्लाई कोड आवंटित हैं किंतु सेवानिवृत्ति तिथि की एंट्री नहीं हुई है। आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में एग्जिट प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है, फिर भी चार माह से वेतन नहीं लिया जा रहा है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संबंधित डाटा प्रदान कर 15 दिन में कारण सहित एंट्री कराई जाए कि उनके द्वारा वेतन किस कारण से नहीं निकाला जा रहा है।

आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से प्राप्त जानकारी को कार्यालय आयुक्त कोष-लेखा को अवगत कराया जायेगा। यदि डेटा के सत्यापन में कोई गलती जानकारी में आती है तो संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा के माध्यम से तत्काल प्रतिवेदन भेजा जाना होगा। रेगुलर और नॉन रेगुलर एम्पलाई के डाटा परीक्षण और निरीक्षण एक सामान्य और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

महिला का अपहरण, जंगल ले जाकर किया रेप

गुना में पीड़िता की ननद को उठाने आए थे गलती से उसे उठाया, 8 आरोपी गिरफ्तार

गुना (नप्र)। गुना में 20 साल की एक विवाहित महिला का अपहरण कर उसके साथ रेप करने का मामला सामने आया है। बदमाश महिला की ननद को उठाने आए थे, लेकिन गलती से उसे उठा ले गए। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामला म्याना थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 9 जून की रात करीब 1 बजे 6 युवक उसके घर आए। दो नीचे आंगन में खड़े रहे, जबकि चार युवक छत पर आ गए। उन्होंने मेरे ऊपर हंसिया तान दिया। मुझे डराया, धमकाया और घसीटकर जंगल की ओर ले गए। महिला ने बताया कि जंगल में पहले से दो युवक मौजूद थे। उनकी बातचीत से पता चला कि वे मेरी ननद को उठाने आए थे, लेकिन अंधेरे में मुझे उठाकर ले गए।

रास्ते में एक युवक ने किया रेप- महिला ने पुलिस को बताया कि बदमाशों को जब पता चला कि वह मुझे गलती से उठा लाए है, तब तीन लोग मुझे वापस छोड़ने गए। इस दौरान रास्ते में एक युवक ने मेरे साथ जबरदस्ती की। पीड़िता ने आगे बताया- मैं चिल्लाई, तो उसने मेरे मुंह पर मुक्का मारा और कपड़ा बांध दिया। धमकी दी कि अगर आवाज निकाली तो जान से मार दूंगा। फिर उसी ने मेरा रेप किया। बाकी दो लोग उसे रोकते रहे, बोले- सोनू ऐसा मत कर, लेकिन वह नहीं माना।

मुझे नाले पर छोड़कर भागे आरोपी- महिला ने बताया कि तीनों मुझे नाले पर छोड़कर भाग गए। मैं किसी तरह घर पहुंची और पूरी बात पति, सास-ससुर को बताई। घर पर आए छह आरोपियों को मेरे परिवार ने पहचान लिया। वे सब एक खेत पर आते-जाते थे। जिसने मेरे साथ गलत काम किया, वह सामने आएगा तो पहचान लूंगी।

सभी 8 आरोपी गिरफ्तार- पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर अपहरण, रेप और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी अंकित सोनी के निर्देशन में आरोपियों की तलाश की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम सिमरौद, थाना बमोरी के 8 युवकों को गिरफ्तार किया गया।

बच्चे को पड़ोसी के हवाले कर महिला ने फांसी लगाई

परिजन बोले- पति का दूसरी महिला से रिश्ता था, इसी डिप्रेशन में बेटी ने जान दी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाली 26 वर्षीय महिला पूजा मोर्या ने गुरुवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने तीन साल के बेटे को नाना-नानी के घर छोड़ा और दस महीने के छोटे बेटे को पड़ोसी के पास सौंपते हुए कहा कि 'रोटी बनाकर आकर ले जाऊंगी।' इसके बाद उसने घर जाकर खुदकुशी कर ली।

पूजा को फंदे पर लटका देखकर पड़ोसियों ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार दोपहर महिला का पोस्टमॉर्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पूजा मोर्या की मां पार्वती मोर्या ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दामाद अजीत मेवाड़ा का किसी अन्य महिला से संबंध था। इसी वजह से पूजा लगातार तनाव में रहती थी और अक्सर उससे झगड़े होते थे। पार्वती के मुताबिक, बेटी ने पहले भी ससुराल छोड़कर मायके में रहना शुरू कर दिया था, लेकिन अजीत उसे वापस ले गया था।

पूजा और अजीत की शादी करीब पांच साल पहले लव मैरिज के रूप में हुई थी। पति अजीत ड्राइवर है और घटना के दिन सुबह किसी टूर पर बाहर गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एमपी में 15-16 जून को भारी बारिश का अलर्ट

ग्वालियर समेत 12 जिलों में आज लू चलेगी गुना में तेज हवाओं के साथ गिरा पानी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 15 और 16 जून को भारी बारिश का अलर्ट है। दक्षिणी हिस्से के पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, खंडवा में 24 घंटे में ढाई से 4.5 इंच तक बारिश हो सकती है। इसी दौरान मानसून भी प्रदेश में एंटर हो जाएगा।

हालांकि, इससे पहले उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू का अलर्ट है। गुना में शुक्रवार सुबह तेज धूप निकली थी। दोपहर 3 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश होने लगी। इससे मौसम में ठंडक घुल गई।गुना में शुक्रवार सुबह तेज धूप निकली। दोपहर में तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी।

15 जून को मानसून के एमपी में एंट्री की संभावना- मानसून पिछले 15 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री नहीं हो पाई है। हालांकि, अब मानसून के सक्रिय होने की हल चल तेज हुई है।

ऐसे में मौसम विभाग ने 14-15 जून को मध्य और पूर्वी भारत के हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के एंटर होने की संभावना जताई है। मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था।

दूसरी ओर, मौसम विभाग ने अगले 4 दिन का अनुमान भी जारी किया है। जिसमें शुक्रवार को ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, गुना और अशोकनगर में लू का अलर्ट है।

भोपाल, उज्जैन, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक, आंधी और बारिश होने की संभावना है।

14 जून को प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में गरज-चमक और बारिश के आसार है। वहीं, 15 और 16 जून को दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। यानी, मानसून इन्हीं दो दिन के अंदर प्रवेश करेगा।

पचमढ़ी में बीजेपी नेताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज से

अमित शाह करेंगे उद्घाटन, समापन पर आएंगे राजनाथ सिंह, 2000 पुलिसकर्मी सुरक्षा में लगे

पचमढ़ी प्रशिक्षण वर्ग में तीनों दिन रहेंगे सीएम

भोपाल/नर्मदापुरम (नप्र)। मध्य प्रदेश के सभी भाजपा विधायकों, सांसदों और मंत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज यानी 14 जून से पचमढ़ी में शुरू होगा। यह प्रशिक्षण 16 जून तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे, जबकि समापन सत्र में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि यह पार्टी का नियमित प्रशिक्षण शिविर है, जिसमें सांसद, विधायक, मंत्री और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। कुल करीब 201 प्रतिनिधि इस शिविर में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मप्र सरकार के सभी मंत्री पूरे समय मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ ही केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सीआर पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, सावित्री ठाकुर, डीडी उईके और एल मुरुगन सहित सभी कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, महेन्द्र सिंह और शिवप्रकाश भी विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन देंगे।

विधायक-सांसद लगाएंगे एक-एक पौधा

वीडी शर्मा ने बताया- इस वर्ग में सभी सांसद विधायक एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे। वर्ग में सैद्धांतिक, व्यावहारिक, कई विषयों पर सत्र होंगे। भाजपा किस तरह से देश में काम कर रही है। संगठन तंत्र की मजबूती के साथ हम कहते हैं कि भाजपा संगठन तंत्र के आधार पर काम करने वाला विशिष्ट दल है।

शिविर स्थल पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों की सेवा और सुशासन की उपलब्धियां दिखाई जाएंगी। इसके साथ ही जनसंघ से लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर वर्तमान तक पार्टी की यात्रा को भी दिखाया जाएगा।

सत्र के दौरान मोबाइल के उपयोग की मनाही

प्रशिक्षण शिविर में विधायकों, सांसदों को मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षण स्थल पर सभी विधायक, सांसद 13 जून की रात तक पहुंच जाएंगे। ट्रेनिंग कैम्प में प्रतिभागियों के मोबाइल उनके नाम के स्टिकर लगाकर साइलेंट मोड पर एक जगह रख दिए जाएंगे। सत्रों के बाद ब्रेक के दौरान प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद अपने मोबाइल पर बात कर सकेंगे।

प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को अलग-अलग सत्रों में पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी दी जाएगी। विधायक-सांसदों को सुबह 6:00 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7:00 से 8:00 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी।

उद्घाटन सत्र में अमित शाह बताएंगे जनसंघ से बीजेपी तक की विकास यात्रा

13 जून की रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे। अमित शाह के साथ मंच पर सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहेंगे।

पहले दिन होंगे चार सत्र

उद्घाटन के बाद पहले सत्र में 'हमारा विचार और पंच निष्ठा' विषय पर प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह और वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव संबोधन देंगे। इसके बाद दूसरे सत्र में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और सांसद बंशीलाल गुर्जर भाजपा की कार्यपद्धति पर जानकारी देंगे।

एयर इंडिया प्लेन क्रैश से शहर शोकाकुल

सर्वधर्म सद्भावना मंच और वार्ड 40 के लोगों ने मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़े एयर इंडिया के विमान के हादसे को लेकर भोपाल में भी शोक व्यक्त किया गया। शहर में दो स्थानों पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। वार्ड 40 के बाग उमराव दूल्हा क्षेत्र में स्थानीय नागरिकों ने मोमबत्तियां जलाकर विमान हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सैय्यद अलमास अली समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

वहीं, मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच के पदाधिकारियों ने भी इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच के प्रतिनिधियों में डॉ. फादर आनंद, मुदगल शाक्यपुत्र, भंते सागर थेरो, हाजी मोहम्मद हारून, पंडित महेंद्र शर्मा, शैलेन्द्र शैली, हाजी मोहम्मद इमरान, शेख मुर्तजा अली, मोहम्मद कलीम एडवोकेट, गुरुचरण सिंह अरोड़ा, ज्ञानी गुरवेंद्र सिंह, प्रोफेसर मनोज जैन व ज्ञानी दिलीप सिंह शामिल थे।

वार्ड 40 के लोगों ने मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

सर्वधर्म सद्भावना मंच के पदाधिकारियों ने इसे राष्ट्रीय शोक की घड़ी बताया और हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई एवं शोकाकुल परिवारों को दुख सहन करने की शक्ति मिले, इसके लिए दुआ की गई।

बीडीए का बाबू दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नामांतरण कराने के एवज में मांगी थी रिश्वत, चार महीने से अटका रखा था काम

भोपाल (नप्र)। भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के बाबू को लोकायुक्त ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। फरियादी ने 4 महीने पहले अपने मकान के नामांतरण का आवेदन दिया था। बाबू बिना रिश्वत लिए नामांतरण नहीं होने दे रहा था। तंग आकर युवक ने लोकायुक्त को लिखित शिकायत की।

शिकायत की जांच के बाद शुक्रवार दोपहर ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बैरसिया रोड निवासी घनश्याम राठौर ने आवेदन देकर बताया कि बीडीए का बाबू शहाब उद्दीन सिद्दीकी उनके मकान के नामांतरण के एवज में फीस से अतिरिक्त दस हजार रुपए देने की मांग कर रहा है।

मांग पूरी नहीं करने पर चार महीने से उनके काम को अटका रखा है। शिकायत की जांच के

बाद शुक्रवार को आरके सिंह उप पुलिस अधीक्षक की टीम ने आरोपी को ट्रेप कर लिया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।